RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 215 | WEDNESDAY 12-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

मेरिट वाले तो महज, होते हैं दो-चार।
कैश-सिफारिश के धनी, बैठे कई हजार।
बैठे कई हजार, हमारा ही है बहुमत।
खारिज यूं मत करें, बनाते हम ही जनमत।
कह साहिल कविराय, हमीं लाते हरियाली।
मेरिट-वेरिट जहां, वहां केवल कंगाली।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

चोर बेखौफ, पुलिस लाचार: पॉश इलाके में 8 महीने से लगातार वारदातें; रेजिडेंट्स अनुसार पुलिस ने कहा- कोर्ट के चक्कर लगाने हैं तो शिकायत दें

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। शहर के अंदरुनी इलाकों के साथ साथ अब पॉश एरिया को भी चोरों ने निशाना बनाना शुरू कर दिया है। हालात यह है कि पिछले कई महीनों से हो रही चोरी की वारदातों से लोग परेशान हो चुके हैं, लेकिन फिर भी पुलिस द्वारा एक्शन नहीं लिया जा रहा। दरअसल, अग्र नगर के राम बाग और नोलखा इलाके में पिछले 8-9 महीने से लगातार चोरियां हो रही है। रेजिडेंट्स का आरोप है कि उनकी तरफ से जब मामले संबंधी पुलिस को शिकायत की जाती है तो वे सीधे ही कह देते हैं हमसें एक्शन नहीं हो पाएगा, यह पूरा गैंग एक्टिव है। यहां तक कि डराकर चुप बैठाने के लिए मुलाजिम कहते हैं कि अगर कोर्ट के चक्कर लगाने हैं तो शिकायत दे दो, नहीं तो रहने दो। कुल मिलाकर पुलिस द्वारा कार्रवाई से बचने को टाल मटोल की जा रही है। जिसके नतीजे में अपराधियों के हौंसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि जहां पहसे 2-3 महीने बाद चोरी होती थी, वहीं अब 10 दिन बाद होने लगी है। रेजिडेंट्स की और से मीटिंग करके पुलिस खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया है। वहीं पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा से मामले में सख्त एक्शन लेने की मांग की गई है।

मामलों की जानकारी देते हुए अग्र नगर रेजिडेंट्स

कोर्ट-थाने रोजाना आ सकते तो करवाओ एफआईआर

- पीड़ित अनुसार वे इस संबंधी अगली सुबह सीसीटीवी फुटेज लेकर थाने शिकायत देने पहुंचे। वहां मुलाजिम ने एक कागज पर शिकायत लिख ली। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज करने कीबात बोलने पर मुलाजिम ने कहा कि अगर कानूनी कार्रवाई करानी है, तो आपको ही परेशानी आएगी। आपका ज्यादा सामान नहीं गया, तो क्यों कार्रवाई करवा रहे हो। अगर आए दिन कोर्ट-थाने के चक्कर लगा सकते हो तो ही कार्रवाई कराना।

कारोबारियों की मजबूरी का पुलिस उठाती हैं फायदा

- कारोबारी राकेश जैन ने कहा कि अग्र नगर में ज्यादातर कारोबारी वर्ग रहता है। जिसके चलते उनका फोक्स काम में रहता है। पुलिस को पता है कि कारोबारियों के पास समय की कमी रहती है और वे बार बार थाने नहीं आ सकते। इसी लिए उन्हें डराया जाता है कि अगर समय है तो ही कार्रवाई करवाओ, नहीं तो शांत हो जाओ। पहले भी लोग इसी तरह कार्रवाई न होने पर चुप हो गए।

समय रहते न उठते तो बड़ी वारदात हो जाती

अग्र नगर के राम बाग के रहने वाले योगेश गुप्ता ने बताया कि सात अगस्त की रात वे परिवार समेत घर पर सो रहे थे। तड़के करीब तीन बजे चोर ग्रिल तोड़कर घर में घुसे। उनके बेटे ने आवाज सुनी तो उन्हें कॉल कर सूचना दी। जब वे कमरे से बाहर निकले तो देखा कि लॉबी का गेट खुला था। चोर उन्हें देखकर तेजी से भाग निकले। चोरों द्वारा शातिर तरीके से वारदात करते हुए सभी कमरों के गेट के आगे सोफे लगा दिए, ताकि कोई आसानी से बाहर न आ सके। जिसके बाद मेन गेट पर भी सामान रख दिया। इसी वजह से वे उन्हें पकड़ नहीं पाए। चोर घर से कुछ सामान चोरी करके ले गए, लेकिन बड़ी वारदात होने से बचाव हो गया।

सरकार कार्रवाई में 15 दिन की छूट देती है

रेजिडेंट्स के मुताबिक मुलाजिमों का कहना है कि वे तुरंत पक्की शिकायत दर्ज नहीं कर सकते। पुलिस विभाग को सरकार की तरफ से 15 दिन का समय दिया जाता है। जिसमें हम जांच कर सकते हैं और अगर कार्रवाई बनती है तो एफआईआर दर्ज की जाती है। उससे पहले मामला दर्ज नहीं हो सकता।

दो हफ्ते पहले भी बड़ी वारदात हुई

राकेश जैन ने बताया कि करीब दो हफ्ते पहले भी चोरों ने इलाके की एक कोठी को अपना निशाना बनाया। चोर दीवार फांदकर ग्रिल तोड़कर कोठी में घुसे। जिसके बाद एक कमरे में घुसकर अलमारी में पड़ा कीमती सामान चोरी करके ले गए। उस मामले में भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। चोरों द्वारा जिस कोठी में वारदात करनी होती है, वहां पहले हर कमरे को चैक किया जाता है। आधा-पौना घंटा लगाकर वारदात की जाती है।

चोरों के इस ग्रुप को पकड़ना मुश्किल

एक रेजिडेंट का आरोप है कि हर बार चार बदमाश ही चोरी करते हैं और उनके चोरी का तरीका भी एक ही है। वे वारदातें भी रात एक बजे से तीन बजे के बीच करते हैं। इस संबंधी पुलिस को बताने पर उनका कहना है कि इन चोरों का एक ग्रुप बना हुआ है, जो 1-2 साल से वारदातें कर रहे हैं। लेकिन उन्हें पकड़ना मुश्किल है। रेजिडेंट्स अनुसार चोर अंडरवेयर पहनकर और शरीर पर तेल लगाकर आते हैं। उनकी फिजिकल फिटनेस इतनी है कि एक सिक्योरिटी गार्ड उन्हें नहीं संभाल सकता। वे सिक्योरिटी से बेचने को कारों के पीछे छिपकर आते हैं।

अस्पताल की बैक साइड़ से आते हैं चोर

राकेश जैन के अनुसार गुरदेव अस्पताल की बैक साइड पर खाली जगह है। वहां से दीवार फांदकर चोर वारदातें करने आते हैं। कुछ दिन पहले एक मुलाजिम कॉलोनी में आया था। उसने कहा कि कंप्लेट कॉपी की जरुरत नहीं है, पीसीआर हर 10 मिनट बाद गश्त करेगी। लेकिन कोई गश्त नहीं होती। लोगों के अनुसार पुलिस का कहना है कि इन चोरों का पता नहीं चल पाता। लेकिन साइबर सैल को चाहिए कि वारदात की रात इलाके में एक्टिव मोबाइलों को ट्रेस किया जाए, जिससे चोरों को पकड़ा जा सकता है। मगर पुलिस काम करके राजी नहीं है।

हरियाणा में क्रोनिक बीमारियों पर आयुष का फोकस, सरकार ने बढ़ाया इलाज का दायरा

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। बदलती जीवनशैली, तनाव और खान-पान में बदलाव के कारण बढ़ रही क्रोनिक बीमारियों के बीच हरियाणा सरकार ने आयुष चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पद्धतियां बीमारी के इलाज के साथ उसकी रोकथाम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मंत्री ने बताया कि हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह/सेवा पखवाड़े के दौरान प्रदेशभर में 1,771 आयुष स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जिनमें 10,900 से अधिक लोगों की निःशुल्क जांच कर चिकित्सकीय सलाह दी गई। हरियाणा में आयुष सेवाओं का नेटवर्क

लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में 515 आयुर्वेदिक, 16 यूनानी और 24 होम्योपैथिक औषधालय संचालित हैं। वहीं जिला अस्पतालों में 21 आयुष विंग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 102 आयुष आईपीडी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 106 आयुष ओपीडी सेवाएं दे रही हैं। सरकार के अनुसार ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में भी आयुष सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र स्थित श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के जरिए आयुष शिक्षा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

यूटर्न टाइम

पेट की सेहत से वजन घटाने तक: क्या खाएं, कितना खाएं और किन चीजों से बनाएं दूरी? देवयानी ने खोले फिटनेस के राज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान, घंटों बैठे रहना और बिना सोचे-समझे कुछ भी खा लेना हमारी सेहत पर भारी पड़ रहा है। मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और पाचन से जुड़ी परेशानियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि हम क्या खा रहे हैं, बल्कि यह भी जरूरी है कि हम कितना और किस समय खा रहे हैं। बाजार में आज वजन घटाने, शरीर को साफ करने और स्वस्थ रहने के नाम पर कई तरह के उत्पाद और पेय मौजूद हैं। लेकिन क्या हर महंगा और आकर्षक उत्पाद वास्तव में हमारी सेहत के लिए अच्छा है? क्या वजन कम करने के लिए खाना कम करना जरूरी है? क्या काबोर्हाइड्रेट वजन बढ़ाते हैं? क्या घी और आलू को पूरी तरह खाने से बाहर कर देना चाहिए? इन्हीं सवालों के जवाब जानने के लिए ह्यस्टे फिट विद देवयानीह्ण की देवयानी से खास बातचीत की गई। उन्होंने अपनी फिटनेस यात्रा से लेकर पेट की सेहत, हार्मोन, संतुलित आहार, काबोर्हाइड्रेट, घी और वजन घटाने से जुड़े कई आम भ्रमों पर खुलकर बात की।

हमारी जिंदगी में आहार कितना महत्वपूर्ण है?

देवयानी: सबसे पहले तो आहार को लेकर बहुत ज्यादा तनाव लेने की जरूरत नहीं है। आहार का मतलब यह नहीं कि आपको हर समय कुछ न कुछ छोड़ना है। असल में हमारे दादा-दादी जिस तरह सादा और संतुलित खाना खाते थे, वही हमारी मूल आहार पद्धति थी। हमने अपनी आदतें खुद बिगाड़ी हैं और अब उन्हें ठीक करने के लिए अलग-अलग आधुनिक आहार पद्धतियों के पीछे भाग रहे हैं। जितना सरल आहार रखेंगे, उतना लंबे समय तक उसे अपनाना आसान होगा। हम घर में छोटी-छोटी गलतियां करते हैं। उदाहरण के लिए, कई लोगों की सुबह चाय के बिना शुरू ही नहीं होती। लेकिन चाय कब, कितनी और किस तरह पी रहे हैं, इस पर ध्यान देना जरूरी है। सिर्फ स्वाद के लिए कुछ भी खाना सही नहीं है। स्वाद जीभ पर कुछ समय रहता है, लेकिन उसका असर शरीर के अंदर लंबे समय तक रह सकता है। इसलिए वही चीज खाएं जो वास्तव में शरीर को फायदा पहुंचाए।

आहार से जुड़ा सबसे बड़ा भ्रम क्या है?

देवयानी: घी को बहुत गलत तरीके से बदनाम किया गया है। घी एक अच्छा खाद्य पदार्थ हो सकता है, लेकिन सबसे जरूरी है इसकी मात्रा।

ऐसा नहीं है कि आप सीधे पांच चम्मच घी खा लें। करीब एक चम्मच या पांच ग्राम जैसी मात्रा को अपने आहार में शामिल किया जा सकता है, लेकिन यह आपकी पूरी दिनचर्या और शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है।

अगर कोई व्यक्ति बिल्कुल व्यायाम नहीं करता और जरूरत से ज्यादा घी लेता है, तो इसका फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है। इसलिए किसी भी चीज को पूरी तरह अच्छा या बुरा कहने के बजाय उसकी मात्रा और अपनी जरूरत समझना जरूरी है।

संतुलित आहार आखिर होता कैसा है?

देवयानी: सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि आहार लेना कम खाना नहीं है। अगर आप जरूरत से बहुत कम खाना शुरू कर देंगे, तो शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलेगा। इससे मांसपेशियों और हड्डियों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है और शरीर के चयापचय तथा पाचन से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं। संतुलित आहार में रेशे, प्रोटीन और काबोर्हाइड्रेट की सही मात्रा होनी चाहिए। हमारे यहां अक्सर खाना सिर्फ आलू की सब्जी, रोटी और दाल तक सीमित रह जाता है। फिर हम कहते हैं कि वजन क्यों बढ़ रहा है। असल में हमें अपनी पूरी थाली को संतुलित करना होगा।

फिटनेस की दुनिया में आपका सफर कहां से शुरू हुआ?

देवयानी: मेरी फिटनेस यात्रा की शुरूआत बोर्डिंग स्कूल के समय से ही हो गई थी। मैं हमेशा फिटनेस में रुचि रखती थी और दो साल तक स्कूल में खेल कप्तान भी रही। लेकिन उस समय मुझे यह नहीं पता था कि इसे आगे किस दिशा में ले जाना है। स्कूल छोड़ने के बाद लोग मुझसे पूछने लगे कि मैं इतनी फिट और ऊर्जावान कैसे रहती हूं। एक दिन किसी ने मुझसे आहार योजना बनाने के लिए कहा। मैंने इस विषय पर काफी व्यक्तिगत शोध किया था। मैंने उसके लिए एक आहार योजना तैयार की और जब उसे उससे फायदा हुआ, तो मुझे लगा कि अगर मैं एक व्यक्ति की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला सकती हूं, तो क्यों न इसे अपना करियर बनाया जाए। मेरी पढ़ाई इंटीरियर डिजाइन में परास्नातक तक हुई है, लेकिन बाद में मैंने समग्र पोषण और आहार विज्ञान की पढ़ाई की। लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना मुझे इतना पसंद आया कि आज यही मेरा जुनून बन चुका है।

आपकी फिटनेस यात्रा अब तक कैसी रही है?

देवयानी: मैं वही काम कर सकती हूं जिसे मैं दिल से पसंद करती हूं। अगर किसी काम के लिए मुझे मजबूर किया जाए, तो शायद मैं उसे उस तरह नहीं कर पाऊंगी। अपने विदेश में रहने वाले ग्राहकों के लिए मुझे कई बार सुबह 3-4 बजे भी उठना पड़ता है, क्योंकि उनके समय अलग होते हैं। लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब किसी व्यक्ति की ऊर्जा और जीवनशैली में बदलाव आता है। मेरा एक ग्राहक ऐसा था जिसकी दो बेटियां थीं। वह इतना थका रहता था कि उनके साथ खेलना या उनके पीछे भागना भी मुश्किल था। जब उसकी पेट की सेहत और जीवनशैली पर काम किया गया, तो उसकी ऊर्जा में बड़ा बदलाव आया। आहार सिर्फ वजन कम करने या अच्छा दिखने के लिए नहीं होता। असली मकसद खुद के अंदर अच्छा महसूस करना है।

क्या काबोर्हाइड्रेट वजन बढ़ाते हैं?

देवयानी: बिल्कुल नहीं। काबोर्हाइड्रेट हमारे शरीर के लिए जरूरी हैं। ये लाल रक्त कोशिकाओं और तंत्रिका तंत्र के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। समस्या काबोर्हाइड्रेट में नहीं, बल्कि उनकी मात्रा में है। मैं अपने कई ग्राहकों की आहार योजना में आलू और यहां तक कि आलू के पराठे भी शामिल करती हूं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि मात्रा सही हो। काबोर्हाइड्रेट को पूरी तरह बंद कर देना सही नहीं है। कई बार लोग काबोर्हाइड्रेट छोड़ देते हैं और फिर लगातार थकान महसूस करते हैं। इसलिए काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और रेशे का संतुलन जरूरी है।

मधुमेह और उच्च रक्तचाप वाले लोगों को आहार में क्या बदलाव करना चाहिए?

देवयानी: सबसे पहले अपनी आहार व्यवस्था को बहुत ज्यादा सीमित करने के बजाय उसे संतुलित करना चाहिए। मधुमेह से जूझ रहे ग्राहकों के लिए मैं सुबह मेथी के दानों का पानी लेने की सलाह देती हूं। इसके बाद नाश्ता नहीं छोड़ना चाहिए और नाश्ता संतुलित होना चाहिए। पपीता जैसे कम ग्लाइसेमिक सूचकांक वाले फलों को आहार में शामिल किया जा सकता है। मधुमेह का मतलब यह नहीं है कि आपको बिल्कुल अलग खाना खाना है। सामान्य खाना ही खाएं, लेकिन मात्रा पर नियंत्रण और रक्त शर्करा की निगरानी जरूरी है। दोपहर और रात के खाने के बाद करीब 15 मिनट की सैर भी मददगार हो सकती है। यानी संतुलित आहार के साथ शारीरिक गतिविधि भी जरूरी है।

शरीर की चर्बी घटाने वाले और शरीर को साफ करने वाले पेय कितने कारगर हैं?

देवयानी: अगर सिर्फ कोई पेय या गोली लेने से वजन कम हो जाता, तो दुनिया में मोटापे की समस्या ही नहीं होती। ऐसे कई उत्पाद सिर्फ प्रचार का हिस्सा होते हैं। कुछ चीजें थोड़े समय के लिए शरीर में जमा अतिरिक्त पानी कम कर सकती हैं, लेकिन इसे चर्बी कम होना समझना गलत है। हमारे शरीर में यकृत और गुर्दे पहले से ही प्राकृतिक रूप से शरीर की सफाई का काम करते हैं। इसलिए हर नए प्रचारित पेय पर भरोसा करने की जरूरत नहीं है।

ऐसी कौन सी चीज है जिसे लोग अस्वस्थ समझते हैं, लेकिन वह वास्तव में फायदेमंद हो सकती है?

***देवयानी:** आलू को भी अक्सर गलत तरीके से बदनाम किया जाता है। उबले या भुने हुए आलू में पोटेशियम, विटामिन सी और रेशे जैसे पोषक तत्व होते हैं। समस्या आलू में नहीं, बल्कि उसे बनाने के तरीके में हो सकती है। अगर आप उसे बार-बार तेल में तलकर या बहुत ज्यादा मेयोनेज के साथ खाएंगे, तो वह स्वस्थ विकल्प नहीं रहेगा। स्वाद कुछ समय के लिए होता है, लेकिन खाने का असर शरीर पर लंबे समय तक रहता है।*

क्या मधुमेह में रोटी की जगह चावल खाना बेहतर है?

देवयानी: ऐसा कोई नियम नहीं है कि रोटी नुकसानदायक है और चावल बेहतर है। असल मुद्दा मात्रा और आपकी पूरी आहार व्यवस्था का संतुलन है। मैं रोटी में जई, रागी और गेहूं जैसे विकल्पों को शामिल करती हूं। उदाहरण के लिए 70 प्रतिशत रागी और 30 प्रतिशत गेहूं का इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी एक चीज को पूरी तरह खत्म करने के बजाय यह समझना जरूरी है कि आपके शरीर को क्या और कितनी मात्रा में सूट करता है।

क्या वजन घटाने के लिए महंगी और आधुनिक आहार योजना जरूरी है?

देवयानी: बिल्कुल नहीं। जितनी सरल आहार योजना होगी, उतना लंबे समय तक उसे अपनाना आसान होगा। अगर मैं किसी ग्राहक को महंगे उत्पाद खरीदने के लिए कहूं, तो शायद वह एक-दो महीने तक उनका इस्तेमाल करे और फिर छोड़ दे। मैं कोशिश करती हूं कि आहार योजना में वही चीजें शामिल हों जो व्यक्ति के घर में पहले से मौजूद हैं और जिनका इस्तेमाल वह आसानी से कर सकता है। ग्राहक का बजट भी मेरे लिए महत्वपूर्ण है। वजन घटाने के लिए महंगे उत्पाद नहीं, बल्कि सही भोजन, सही मात्रा और लगातार उसे अपनाना जरूरी है।

क्या रात में फल खाना गलत है?

देवयानी: मेरे व्यक्तिगत अनुभव के अनुसार कोशिश करनी चाहिए कि खाने का समय शाम तक पूरा हो जाए। अगर किसी वजह से रात में भूख लगती है, तो पपीता या अमरूद जैसे कम ग्लाइसेमिक सूचकांक वाले फल विकल्प हो सकते हैं। लेकिन सबसे जरूरी यह है कि आपकी पूरी आहार व्यवस्था और भोजन का समय संतुलित हो। किसी एक फल को पूरी तरह अच्छा या बुरा मानने के बजाय अपनी दिनचर्या और जरूरत को समझना चाहिए।

ऐसा कौन सा खाद्य पदार्थ या पेय है जिसे आप हमेशा के लिए बंद करना चाहेंगी?

***देवयानी:** मीठे पेय और सोडा से दूरी बनाना सबसे बेहतर है। इनमें अधिक मात्रा में चीनी के साथ कई तरह के परिरक्षक, कृत्रिम मिठास, खाद्य रंग और अन्य पदार्थ हो सकते हैं। हमें उन चीजों की तरफ वापस जाना चाहिए जो हमारी पारंपरिक आहार व्यवस्था का हिस्सा रही हैं और जिन्हें हमारे घरों में लंबे समय से खाया जाता रहा है।*

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

03 बुधवार, 12 अगस्त 2026

पेज 06 मन की शुद्धता से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं: आचार्य...

जन हितैषी यूटर्न टाइम
PRESENTS
PUNJAB'S BIGGEST RECOGNITION FOR YOUNG ENTREPRENEURS

WESTERN LIVING PVT. LTD.
YEA 2026
YOUNG ENTREPRENEUR AWARDS
POWERED BY RALSON TYRES
IN ASSOCIATION WITH kothari marbles

NOMINATIONS CLOSED
FOR MORE DETAILS, CONTACT:
+91-99153-61166 | +91-95690-30002 | +91-99882-20063
janhetaishiuturntimesevents@gmail.com
VENUE: NIRVANA LUXURY HOTEL, LUDHIANA

लुधियाना के उद्योगपतियों का मंथन: तकनीक और ऑटोमेशन से ही ग्लोबल मार्केट में टिकेगा भारतीय उद्योग

सीआईसीयू की व्यापारिक नेताओं की बैठक में चीन की बढ़त, एआई, कुशल कर्मचारियों की कमी और आरएंडडी निवेश पर चर्चा

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। भारतीय उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने के लिए तकनीक, ऑटोमेशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अनुसंधान एवं विकास में तेजी से निवेश करना जरूरी है। यह बात लुधियाना के होटल पार्क प्लाजा में चैंबर ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल अंडरटेकिंग्स (सीआईसीयू) की व्यापारिक नेताओं की बैठक 2026 में सामने आई। बैठक की अध्यक्षता सीआईसीयू अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने की, जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेएस भोगल ने चर्चा का संचालन किया।

बैठक में उद्योगपतियों ने कुशल कर्मचारियों की कमी को बड़ी चुनौती बताया। उनका कहना था कि ऑटोमेशन को रोजगार खत्म करने के बजाय कर्मचारियों को अधिक तकनीकी और उच्च-मूल्य वाले कामों से जोड़ने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। चीन की बढ़ती विनिर्माण क्षमता पर भी चिंता जताई गई। चर्चा में कहा गया कि भारत को उत्पादकता, गुणवत्ता, लागत और डिलीवरी के मामले में वैश्विक मानकों के बराबर पहुंचने के लिए ऑटोमेशन और रोबोटिक्स को तेजी से अपनाना होगा।

आरएंडडी निवेश को लेकर भी उद्योगपतियों ने चिंता जताई। उनका कहना था कि भारतीय कंपनियों, खासकर एमएसएमई, को उत्पाद विकास, प्रक्रिया सुधार, एआई आधारित गुणवत्ता नियंत्रण और ऊर्जा दक्षता जैसे क्षेत्रों में शोध पर निवेश बढ़ाना होगा।

डेलक्स बियरिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं एमडी कीर्ति राठौड़ ने तकनीक और नवाचार को खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा में निवेश बताया। सीआईसीयू अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि जो उद्योग समय रहते खुद को तकनीक के अनुरूप बदलेंगे, वही आने वाले वर्षों में वैश्विक बाजार का नेतृत्व कर पाएंगे।

कांग्रेसी महिला पार्षद और पति ने निगम अफसरों खिलाफ खोला मोर्चा, सीवरेज समस्या से पेरशान होकर जोन-डी में लगाया धरना

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। लुधियाना के वार्ड नंबर 7 में सीवरेज समस्या से परेशान होकर कांग्रेसी महिला पार्षद और उनके पति द्वारा निगम अफसरों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया है। जिसके चलते उनकी तरफ से निगम जोन-डी में धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पार्षद रविंदर कौर और उनके पति रविंदर मोनू खिंडा ने निगम कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। इस दौरान रविंदर मोनू खिंडा ने निगम अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके वॉर्ड में पिछले काफी दिनों से सीवरेज जाम की गंभीर समस्या बनी हुई है। इलाके के लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, लेकिन नगर निगम के अफसर जानबूझकर इस समस्या का हल नहीं कर रहे हैं। कई बार शिकायत

करने के बावजूद किसी भी संबंधित अधिकारी ने उनकी बात नहीं सुनी और न ही वार्ड में कोई काम शुरू करवाया गया। इसी तानाशाही रवैये के विरोध में उन्हें मजबूरन अपने परिवार के साथ कमिश्नर दफ्तर के बाहर धरने पर बैठना पड़ा है। करीब दो घंटे बाद जोनल कमिश्नर खुद मौके पर पहुंचे और उन्होंने रविंदर मोनू खिंडा और उनकी पत्नी को मनाने का काफी प्रयास किया। हालांकि, खिंडा अपनी मांगों पर अड़े रहे और धरना खत्म करने से साफ इनकार कर दिया।

जिला प्रधान भी समर्थन में पहुंचे

धरने की सूचना मिलते ही कांग्रेस के जिला प्रधान संजय तलवाड़ भी रविंदर मोनू खिंडा के समर्थन में मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी खिंडा के साथ धरने में शामिल होकर नगर निगम के अधिकारियों की कार्यप्रणाली की कड़ी निंदा की। तलवाड़ ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही वार्ड नंबर 7 की सीवरेज समस्या का पक्का हल नहीं निकाला गया, तो आने वाले दिनों में यह संघर्ष और भी तेज किया जाएगा। जिसके बाद प्रदर्शन खत्म किया गया।

तीज के रंग में रंगा डीएवी पब्लिक स्कूल, बीआरएस नगर

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। डीएवी पब्लिक स्कूल, बीआरएस नगर में पंजाब की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को समर्पित तीज उत्सव हर्षोल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया। रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों, लोकगीतों, गिद्दा, कविता और पारंपरिक कला ने पूरे विद्यालय परिसर को पंजाबी संस्कृति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भावपूर्ण कविता और भाषण प्रस्तुत किए। एकल लोकगीत 'मिट्टी दा बावा' और पंजाबी समूह प्रस्तुति 'गुलदस्ता' ने खूब तालियां बटोरीं। इसके अलावा मधुर गायन और दो शानदार गिद्दा प्रस्तुतियों ने पंजाबी लोकजीवन की उमंग और जीवंतता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'मिस तीज' प्रतियोगिता रही। इसके साथ ही कक्षा छठी से आठवीं और नौवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए मेहंदी तथा कक्षा आठवीं से बारहवीं के लिए परांदा गूंथने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

'मिस तीज' का खिताब इशरत कौर ने जीता, जबकि प्रभनूर कौर प्रथम और बबनीत कौर द्वितीय उपविजेता रहीं। मेहंदी प्रतियोगिता में रिजुल और सान्वी खुराना ने अपनी-अपनी श्रेणियों में प्रथम स्थान हासिल किया। परांदा गूंथने में कनिष्का चोपड़ा प्रथम रहीं। प्रधानाचार्य जे.के. सिद्धू ने विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ाने में भी मदद करते हैं।

हादसे के बाद समझौता टूटा तो दो महीने बाद कार चालक पर केस

जीरकपुर/यूटर्न/11 अगस्त। लोहगढ़ पार्क के पास एक्टिवा सवार डीजीपी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक को कार से टक्कर मारने के मामले में करीब दो महीने बाद पुलिस कार्रवाई शुरू हुई है। हादसे के बाद दोनों पक्षों के बीच इलाज का खर्च देने को लेकर समझौता हो गया था, लेकिन आरोप है कि तय रकम का पूरा भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद घायल ने समझौते के तहत मिली रकम लौटाने की बात कहते हुए कार चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। गोल्डन एन्क्लेव निवासी सुरिंदर सिंह ने पुलिस को बताया कि वह डीजीपी कार्यालय में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हैं। आठ जून की सुबह करीब 10 बजे वह एक्टिवा पर लोहगढ़ पार्क की तरफ से ई-ब्लॉक की ओर जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान पार्क की ओर से आई सफेद स्विफ्ट डिजायर कार ने तेज रफ्तार में उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी।

एचकेआरएन के पटवारियों को सरकार स्थायी रोजगार और तत्काल एक्सटेंशन दे: ओंकार सिंह

एचकेआरएन के पटवारियों के साथ उपायुक्त अंबाला श्री सचिन गुप्ता से मिले ओंकार सिंह

अंबाला/यूटर्न/11 अगस्त। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता ओंकार सिंह ने आज हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत पटवारियों की समस्याओं को लेकर अंबाला के उपायुक्त श्री सचिन गुप्ता से मुलाकात की और उन्हें पटवारियों की गंभीर परेशानियों से अवगत कराया।

इस दौरान एचकेआरएन के माध्यम से नियुक्त पटवारियों ने अपनी मांगों और समस्याओं से संबंधित ज्ञापन भी उपायुक्त को सौंपा। ओंकार सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार ने एचकेआरएन के माध्यम से पटवारियों की भर्ती की थी और ये युवा पिछले लगभग दो वर्ष चार माह से पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ राजस्व विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सरकार द्वारा 14 जुलाई को प्रदेश के सभी उपायुक्तों को इन कर्मचारियों को दो माह का एक्सटेंशन देने के निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि आज तक अंबाला जिले के किसी भी एचकेआरएन पटवारी को यह एक्सटेंशन नहीं दी गई, जबकि प्रदेश के अन्य जिलों में यह व्यवस्था लागू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं को पिछले तीन महीनों से वेतन भी नहीं मिला है, जिससे इनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है और भविष्य को लेकर गहरी चिंता बनी हुई है।

खाली इमारत से युवक काबू, डोप टेस्ट में तीन तरह के नशीले तत्व मिले

जीरकपुर/यूटर्न/11 अगस्त। जीरकपुर थाना पुलिस ने नशे के सेवन के आरोप में एक युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस कार्रवाई की खास बात तलाशी में नशीला पदार्थ नहीं मिला, मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज यह रही कि आरोपी की तलाशी के दौरान कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ, लेकिन उसके डोप टेस्ट में मॉर्फिन, ट्रामाडोल और बेंजोडायजेपाइन पॉजिटिव पाए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान जसमेर सिंह पुत्र बलजिंदर सिंह निवासी गांव कुरडी, थाना सोहाना, जिला एसएएस नगर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 10 अगस्त को एएसआई राजीव कुमार पुलिस कर्मचारियों के साथ सिंहपुरा चेक पोस्ट पर मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि जसमेर सिंह नशे का सेवन करता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जीरकपुर के पास स्थित एक खाली इमारत में दबिश देकर युवक को काबू कर लिया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली, लेकिन उसके कब्जे से कोई नशीला पदार्थ नहीं मिला।

स्वाधीनता दिवस के अवसर पर मुद्रा एवं डाक टिकट प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

अम्बाला शहर/यूटर्न/11 अगस्त। स्वंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आज जयतु भारतम् एवं एकम न्यास द्वारा जी आर एस डी स्कूल में डाक टिकट एवं मुद्रा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में नरेश अग्रवाल एवं मुकेश जिंदल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके प्रदर्शनी का आरम्भ किया गया। प्राचार्य ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनके त्याग एवं संघर्ष के कारण ही हम आज स्वतंत्र वातावरण का आनन्द ले रहे हैं। अनेक ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों ने प्राणों का उत्सर्जन करके अंग्रेज सरकार को भारत को स्वतंत्र करने को मजबूर किया। मुकेश जिंदल द्वारा बच्चों को अपने आदर्श और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने का अह्वाहन किया गया। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता आंदोलन से सम्बंधित आज तक जारी की गई डाक टिकटें, प्रथम दिवस आवरण छात्र-छात्राओं को दिखाए गए। 1857 के योद्धाओं से जुडी टिकटें, आवरण, विवरणिका प्रदर्शनी का हिस्सा थे। टीपू सुल्तान सहित विभिन्न पुरातन राज्यों (मैसूर, जयपुर, मेवाड़, जोधपुर, इंदौर, अवध, बूंदी, ग्वालियर, भोपाल, मराठा इत्यादि) के सिक्के एवं मुद्राएं भी छात्रों ने बड़े उत्साह से देखीं। रानी विक्टोरिया के समय से आज तक जारी पोस्टकार्ड, आवरण-पत्र प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण थे। लगभग 170 साल के डाक इतिहास का इस माध्यम से छात्र-छात्राओं ने अवलोकन किया। इस अवसर पर नरेश अग्रवाल, मुकेश जिंदल, प्रेम अग्रवाल, राकेश बग्गा, विक्की सहगल, विपिन आनन्द, रवि प्रकाश, अनिल कुमार, अमन कुमार, सीमा चोपड़ा, दीपक गोयल, अमित चानना, अभिनव गुप्त इत्यादि उपस्थित थे।

15 अगस्त संबंधी पंजाबभर में भारी पुलिस फोर्स तैनात, सूचना मिलते ही होगा एक्शन

मोहाली/यूटर्न/11 अगस्त। पंजाबभर में 15 अगस्त के मद्देनजर पंजाब पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हैं। इस संबंधी मोहाली में डीजीपी गौरव यादव की अगुवाई में अहम मीटिंग हुई। बैठक में रूपनगर, एसएएस नगर और फतेहगढ़ साहिब के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 4 चीजों पर फोकस किया है। अधिकारियों को साफ नसीहत दी है कि अब 24x7 अलर्ट मोड पर रहना होगा। वहीं, इस दौरान मुख्य रूप से 4 प्वाइंटों में स्ट्रेटजी बनी है। पुलिस अधिकारियों और ग्राउंड स्टाफ के साथ बातचीत कर उनके इनपुट्स सुने गए। जवानों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें अलर्ट, आत्मविश्वास से लबरेज और पूरी निष्ठा के साथ ड्यूटी करने को कहा गया। सड़कों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने और आपसी तालमेल मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

किसी भी तरह की अप्रिय घटना या चुनौती से निपटने के लिए त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस राज्य भर में शांति, सुरक्षा और भाईचारा बनाए रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

पत्रकारों से बातचीत कर विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

अंबाला शहर/यूटर्न/11 अगस्त। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अपने कार्यालय में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों और छायाकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और आम लोगों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उपायुक्त ने कहा कि आमजन से जुड़ी कोई समस्या या सामूहिक समस्या हो तो उसे प्रशासन के संज्ञान में लाया जा सकता है, ताकि उसका समय पर समाधान करवाया जा सके। उन्होंने बताया कि जिला अधिकारियों के साथ बैठकों में विभागीय कार्यों की समीक्षा की जा रही है और लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में चल रहे विकास कार्यों का भी जायजा लिया जा रहा है। अधिकारियों को विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर डीआईपीआरओ धर्मेन्द्र कुमार, एआईपीआरओ अजीत सिंह, एआईपीआरओ मनोज कुमार सहित विभिन्न समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

तीन पंजाबी युवकों का यूगांडा में अपहरण, 70 हजार डॉलर की डिमांड, सांसद संधू ने केंद्र सरकार से किया संपर्क

मोहाली/यूटर्न/11 अगस्त। पंजाब के तीन युवकों को इटली की जगह यूगांडा भेजने व अगवा कर लिया गया। परिजनों का आरोप है कि युवकों को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की जा रही है। वहीं, अगवा करने वाले 70 हजार डॉलर की मांग कर रहे है। अगवा किए गए युवकों की पहचान राकेश कुमार, सुरेंद्र और अवतार के रूप में हुई है। राकेश के पिता कश्मीर लाल ने इस संबंध में सांसद सतनाम सिंह संधू को लिखित शिकायत भेजकर मदद की गुहार लगाई है। सांसद ने भरोसा दिलाया है वह परिवार की हर संभव मदद करेंगे। सांसद ने बताया कि पंजाब के तीन युवकों को कीनिया के युगांडा में अगवाकर किया गया। इनमें से एक युवक जालंधर के राकेश कुमार के पिता कश्मीर लाल ने उनसे संपर्क किया। उन्होंने एक लिखित बयान भेजा है। उन्होंने बताया कि राकेश, सुरेंद्र व अवतार को पहले दुबई और फिर कीनिया ले जाया गया। वहां पर उन्हें बंधक बनाकर रखा गया। पाकिस्तान से जुडे लोगों ने ने युवको को अगवा किया है। मैं भारतीय विदेश मंत्रालय व पंजाब डीजीपी से संपर्क करने जा रहा हूं। वह इन्हें वापस लेने के लिए प्रयास करेंगे।

पेमेंट एडवांस में ली, पाक लोगों ने बंधक बनाया

सतनाम सिंह संधू ने बताया कि परिवार के मुताबिक साढ़े नौ लाख में विदेश भेजने की डील हुई थी। एजेंट ने पैसे एडवांस ले लिया था। दो नौजवान उसे दुबई में मिले। जो भी युवक के साथ आरोपियों चंगुल में फंसे हैं। माता-पिता के मुताबिक एजेंट मूलरूप से पंजाब का रहने वाला है। परिवार के एक रिश्तेदार से सपर्क किया गया। एजेंट इस समय इटली में रहता है। वह चार अगस्त को यहां से गए थे। परिवार का कहना है उनके बच्चे को वहां से सुरक्षित निकाला जाए। उनसे सारे पैसे एडवांस लिए गए थे।

पेज 12 IPL प्लेयर पर रेप का आरोप: महिला की शिकायत...

मनीमाजरा SHO पर कार्रवाई, ठेकेदार से ₹1 लाख मंथली और दो पेटी शराब मांगने का आरोप

6 अगस्त को 'यू टर्न' ने उठाया था मामला, खबर प्रकाशित होने के बाद चंडीगढ़ पुलिस विभाग ने लिया संज्ञान

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। मनीमाजरा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनिंदर सिंह पर शराब ठेकेदार से कथित तौर पर हर

महीने एक लाख रुपये और विदेशी ब्रांड की दो पेटी शराब मांगने के आरोपों को लेकर 'यू टर्न' अखबार में 6 अगस्त को प्रकाशित खबर के बाद चंडीगढ़ पुलिस विभाग ने मामले का संज्ञान लिया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर मनिंदर सिंह को मनीमाजरा थाना प्रभारी के पद से हटा दिया गया है और उन्हें ट्रैफिक लाइन भेजा गया है। शराब ठेकेदार की शिकायत में थाना प्रभारी पर नियमित तौर पर रकम और शराब मांगने के आरोप लगाए गए थे। शिकायत के साथ बातचीत से संबंधित पेन ड्राइव और ट्रांसक्रिप्ट भी सामने आने की बात कही गई थी। मामले की गंभीरता से लेते हुए आईजी स्तर से इंस्पेक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। फिलहाल मामले की विभागीय जांच जारी है।

खबर के बाद विभाग ने शुरू की कार्रवाई

6 अगस्त को 'यू टर्न' ने 'भ्रष्टाचार को संरक्षण: SHO ने मांगी एक लाख मंथली और दो पेटी विदेशी शराब' शीर्षक से इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई आगे बढ़ाई।

नए अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

पुलिस विभाग की नई तैनाती सूची के अनुसार इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार को मनीमाजरा थाना प्रभारी बनाया गया है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार को सेक्टर-26 थाना और इंस्पेक्टर मोहित कुमार को मौलीजागरां थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा इंस्पेक्टर जसबीर सिंह को डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल, इंस्पेक्टर राजीव कुमार को ईओडब्ल्यू थाना, इंस्पेक्टर दलजीत सिंह को आरटीसी, इंस्पेक्टर बलजीत सिंह को एचएसी और इंस्पेक्टर सूर्या कुमार को ईओडब्ल्यू में तैनाती दी गई है। मनीमाजरा स्लड पर हुई कार्रवाई को चंडीगढ़ पुलिस में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई की कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, ठेकेदार द्वारा लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने के आरोप में आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज

मोहाली कोर्ट ने कहा- आरोपी से .9 एमएम पिस्टल बरामद करना बाकी

मोहाली/यूटर्न/11 अगस्त। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश टीपी रंधावा की अदालत ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कथित तौर पर जुड़े आरोपी अर्जुन कुमार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर आरोप हैं और उसके कब्जे से बताई जा रही .9 एमएम पिस्टल अभी बरामद नहीं हुई है। हथियार की बरामदगी के लिए आरोपी की हिरासत में पूछताछ जरूरी है। इसी आधार पर अदालत ने राहत देने से इनकार कर दिया।

मामला मई 2023 में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, 18 मई 2023 को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी महफूज उर्फ विशाल खान पंजाब में विभिन्न गैंगस्टरों को अवैध हथियार उपलब्ध कराता है और विदेश में बैठे गैंगस्टरों के संपर्क में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया था।

तीन साल बाद नामजद किए जाने की दलील नहीं मानी...अर्जुन के वकील ने अदालत में दलील दी कि उसका लॉरेंस बिश्नोई या मामले के अन्य आरोपियों से कोई संबंध नहीं है और उसे एफआईआर दर्ज होने के करीब तीन साल बाद झूठा फंसाया गया है। उसने जांच में शामिल होने की इच्छा जताते हुए अग्रिम जमानत देने की मांग की।

वहीं, सरकारी वकील ने...जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी पर गंभीर आरोप हैं और उसके कब्जे से पिस्टल बरामद की जानी बाकी है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं और उसके कब्जे से कथित .9 एमएम पिस्टल बरामद करना बाकी है। ऐसे में कस्टोडियल पूछताछ आवश्यक है। अदालत ने अग्रिम जमानत का कोई आधार नहीं पाया और अर्जुन कुमार की याचिका खारिज कर दी।

रंधीर के बयान पर अर्जुन को किया गया था नामजद

पुलिस के अनुसार, जोगिंदर सिंह उर्फ जोगा ने पूछताछ में रंधीर सिंह उर्फ हैप्पी उर्फ कमांडो के संपर्क में होने की बात कही थी। इसके बाद रंधीर सिंह को गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से .32 बोर की पिस्टल व तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक रंधीर सिंह के कथित खुलासे के आधार पर अर्जुन कुमार को मामले में नामजद किया गया। रंधीर ने कथित तौर पर बताया कि अप्रैल 2023 में अर्जुन ने उससे हथियार और गोला-बारूद मांगा था और लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर उसने अर्जुन को एक .9 एमएम पिस्टल दी थी। पुलिस का कहना है कि यह हथियार अभी बरामद नहीं हुआ है।

पूछताछ में कई आरोपियों के नाम सामने आए

अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार पूछताछ के दौरान महफूज ने पुलिस को बताया था कि वह अमेरिका गए अजय राणा के संपर्क में था। उसके कहने पर डेराबस्सी-बरवाला रोड स्थित पीर बाबा की दरगाह के पास से उसे पिस्टल से भरा बैग मिला था। पुलिस के मुताबिक इस बैग से तीन .32 बोर की देसी पिस्टल बरामद हुई, जबकि दो पिस्टल उसने अजय राणा के कहने पर मनजीत सिंह उर्फ गुरी को देने की बात कही। जांच के दौरान अनिकेत, गोल्डी, मनजीत सिंह उर्फ गुरी, जोगिंदर सिंह उर्फ जोगा, मोंटी, अजय राणा और लॉरेंस बिश्नोई सहित अन्य आरोपियों के नाम सामने आए।

चंडीगढ़ में बारिश से मौसम कूल, तापमान गिरा; 13 अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। शहर में मंगलवार को हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम केंद्र चंडीगढ़ ने 13 अगस्त को चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बिजली चमकने और गरज-चमक की संभावना है। चंडीगढ़ मौसम वेधशाला के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक एक जून से अब तक शहर में 414.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो सामान्य से करीब 22.4 प्रतिशत कम है।

15 अगस्त तक बारिश का दौर

मौसम विभाग के अनुसार 11 अगस्त को आंशिक बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक और बारिश हो सकती है। 12 अगस्त को घने बादलों के साथ तेज बौछारें पड़ने का अनुमान है। 13 और 14 अगस्त को भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। 15 अगस्त को भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। आगामी दिनों में अच्छी बारिश होने से बारिश की कमी कुछ हद तक पूरी होने की उम्मीद है।

चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप; पुलिस ने खंगाले परिसर

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। शहर में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। मंगलवार को चंडीगढ़ के चार प्रमुख स्कूलों को धमकी भरी ई-मेल मिलने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई और सभी संबंधित स्कूलों में सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। पुलिस के बम जांच दल और डॉग स्क्वायड ने स्कूल परिसरों के अंदर और आसपास के क्षेत्रों को खंगाला। स्कूल भवनों, कमरों और अन्य संवेदनशील स्थानों की जांच के साथ आने-जाने वाले रास्तों पर भी नजर रखी गई। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी भी स्कूल से बम या कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। जिन स्कूलों को धमकी मिलने की सूचना है, उनमें कर्मेल कॉन्वेंट स्कूल सेक्टर-9बी, सेंट जॉन्स हाई स्कूल सेक्टर-26, सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-26 और सेंट स्टीफंस स्कूल सेक्टर-45बी शामिल हैं।

ई-मेल के पीछे कौन? साइबर टीम जांच में जुटी

धमकी मिलने के बाद पुलिस अब ई-मेल के स्रोत का पता लगाने में जुट गई है। साइबर विशेषज्ञ ई-मेल की तकनीकी जानकारी, उसके स्रोत और भेजने वाले की पहचान से जुड़े पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी किसी शरारती तत्व की करतूत है या इसके पीछे कोई संगठित साजिश है।

रोहित खुल्लर बने अकाली दल वारिस पंजाब दे के जिला प्रधान

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। अकाली दल वारिस पंजाब दे की ओर से विभिन्न जिलों में जिला प्रधानों की नियुक्ति का सिलसिला शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में रोहित खुल्लर को लुधियाना शहरी का जिला प्रधान नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर रोहित खुल्लर ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को शहर के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत किया जाएगा।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Flight Late हो जाए तो Passenger के क्या अधिकार हैं?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Flight में देरी होना यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है। खासकर तब, जब आगे दूसरी Flight, Hotel Booking या कोई जरूरी काम जुड़ा हो। ऐसे में सवाल उठता है कि Flight Late होने पर Passenger को क्या अधिकार मिलते हैं?

भारत में यात्रियों के लिए DGCA ने कुछ नियम बनाए हैं। देरी की स्थिति में Airline को कुछ परिस्थितियों में Passenger को खाना और Refreshment उपलब्ध कराना पड़ सकता है। यदि देरी बहुत ज्यादा हो और रात रुकने की जरूरत पड़े, तो कुछ मामलों में Hotel Accommodation और आने-जाने की सुविधा भी देनी पड़ सकती है।

हालांकि, हर देरी पर Passenger को अलग से Cash Compensation मिलना जरूरी नहीं है। यह देरी की अवधि, Flight की स्थिति और देरी के कारण पर निर्भर करता है।

यदि Flight Cancel हो जाए या बहुत ज्यादा Delay हो, तो Passenger Airline से अपने अधिकारों के बारे में जानकारी मांग सकता है। यदि Airline उचित सुविधा या राहत नहीं देती, तो पहले Airline में शिकायत की जा सकती है और उसके बाद AirSewa Portal पर शिकायत दर्ज की जा सकती है।

एक जरूरी बात यह भी है कि Passenger को Boarding Pass, Ticket, SMS, Email और Airline से हुई बातचीत का रिकॉर्ड संभालकर रखना चाहिए। यदि बाद में शिकायत करनी पड़े, तो यही दस्तावेज काम आते हैं।

कई बार Passenger केवल Flight Late होने पर गुस्सा करता है, लेकिन अपने अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं रखता। ऐसे में Airline से सही सवाल पूछना भी जरूरी है।

निष्कर्ष: Flight Late होने पर हर बार Cash Compensation नहीं मिलता, लेकिन कुछ परिस्थितियों में Passenger को Food, Refreshment, Hotel या अन्य सुविधाएं मिल सकती हैं। इसलिए Flight में देरी होने पर अपने अधिकार जानें और जरूरत पड़ने पर Airline तथा AirSewa के माध्यम से शिकायत करें।

मन की शुद्धता से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं : आचार्य हरिकृष्ण महाराज

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। सिविल लाइंस स्थित श्री दंडी स्वामी तपोवन तपोभूमि आश्रम में अंसल एस्टेट के एस.एस. खुराना की ओर से आयोजित सात दिवसीय श्री शिव पुराण कथा के तीसरे दिन मंगलवार को श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से कथा का श्रवण किया। इस दौरान पूरा आश्रम भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा।हरिद्वार से पधारे कथा व्यास आचार्य श्री हरिकृष्ण जी महाराज ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर या मंदिर में भगवान शंकर की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। सच्चे मन और श्रद्धाभाव से भगवान शिव का अभिषेक करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और शुभ

फल की प्राप्ति होती है।उन्होंने कहा कि भगवान शिव की पूजा मनुष्य जब चाहे कर सकता है, लेकिन उनकी पूजा का मूल समय चार पहर की पूजा है, जो विशेष रूप से महाशिवरात्रि के अवसर पर की जाती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य द्वारा कहीं भी किया गया पाप नष्ट या माफ हो सकता है, लेकिन तीर्थ स्थान पर किया गया पाप कभी माफ नहीं होता।

आचार्य हरिकृष्ण महाराज ने कहा कि मनुष्य के पवित्र मन से बड़ा कोई तीर्थ स्थान नहीं है।धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ का वास्तविक उद्देश्य मन को पवित्र करना है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि अपने मन को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि मन बहुत बलवान होने के साथ-साथ बुद्धिमान भी है।

एस.एस. खुराना ने कथा में पहुंचे श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण होता है और लोगों को धर्म एवं संस्कारों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।कथा के उपरांत तपोस्थली मंदिर के पं. संतोष त्रिपाठी, पं. महानंद शर्मा, पं. दिनेश चंद्र, पं. संदीप एवं पं. यतेन्द्र ने विधिवत आरती करवाई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लेकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।खुराना ने बताया कि श्री शिव पुराण कथा का आयोजन 15 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7:30 बजे तक किया जाएगा। 16 अगस्त को हवन एवं भंडारे के साथ कथा का समापन होगा।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

आज के युग में रोटी कमाना बड़ी बात नहीं, पूरे परिवार के साथ बैठकर खाना बड़ी बात है

आज के आधुनिक युग में हर व्यक्ति अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहा है। पैसा कमाना और परिवार की जरूरतें पूरी करना पहले की अपेक्षा आसान तो हुआ है, लेकिन इसके साथ समय की कमी भी बढ़ गई है। आज घर के हर सदस्य की अपनी व्यस्त दिनचर्या है। किसी को स्कूल जाना है, किसी को नौकरी पर जाना है, तो कोई मोबाइल और इंटरनेट की दुनिया में व्यस्त है। एक समय था जब परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर भोजन करते थे। उस समय भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं था, बल्कि परिवार को जोड़ने का माध्यम भी था। खाने की मेज पर दिनभर की बातें होती थीं, हंसी-मजाक होता था और आपसी रिश्ते मजबूत होते थे। आज घर में स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध होने के बावजूद कई बार परिवार के सदस्य एक साथ बैठकर खाना नहीं खा पाते। सच तो यह है कि आज रोटी कमाना बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात है उस रोटी को अपने परिवार के साथ बैठकर प्रेम और अपनापन से खाना। भोजन का असली आनंद तभी है, जब उसमें परिवार का साथ हो। इसलिए हमें अपनी व्यस्त जिंदगी में से थोड़ा समय निकालकर परिवार के साथ बैठकर भोजन जरूर करना चाहिए। यही छोटी-सी आदत रिश्तों में मिठास और घर में खुशियां बनाए रखती है।

माता चिंतपूर्णी वार्षिक मेले को लेकर प्रशासन ने कसी कमर, श्रद्धालुओं के लिए व्यापक प्रबंध

13 से 21 अगस्त तक चलेगा मेला, सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य और पेयजल तक विशेष व्यवस्था

ऊना/दलजीत अजनोहा। माता चिंतपूर्णी का वार्षिक मेला 13 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए ऊना जिला प्रशासन ने सुरक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, पेयजल और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक प्रबंध किए हैं। डिप्टी कमिश्नर जतिन लाल ने वरिष्ठ संवाददाता दलजीत अजनोहा से बातचीत में बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा, जबकि श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे और डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि चिंतपूर्णी आने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली का इस्तेमाल न करें और सुरक्षित यात्री वाहनों से ही यात्रा करें। मेले के दौरान पीने के पानी की व्यवस्था भी निरंतर बनाए रखी जाएगी।

बारिश के मौसम को देखते हुए प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रखा गया है। मंदिर के आसपास चल रहे निर्माण कार्य के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। विभिन्न विभाग आपसी समन्वय से मेले के दौरान सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे।

तीज सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। सावन के पावन अवसर पर तीज सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। इसका आयोजन वंदना, हरप्रीत और ज्योति ने किया। इस मौके स्पेशल गेस्ट सिम्मी वालिया रही। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक पंजाबी परिधानों में सज-धज कर हिस्सा लिया और उत्सव को यादगार बना दिया।रंग-बिरंगे सूट, परांदे, फुलकारी दुपट्टे, चूड़ियां और मेहंदी से सजी महिलाओं ने गिद्दा और पारंपरिक बोलियों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया। पूरे आयोजन में पंजाबी लोक संस्कृति और विरासत की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान मनोरंजक गेम्स, संगीत, डांस और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। इस मौके पर आयोजकों ने कहा कि महिलाओं ने उत्साह के साथ हर गतिविधि में भाग लिया और सावन के त्योहार का आनंद लिया।

126 रुपये बनाम 350 रुपये प्रति वर्ग गज: बड़े औद्योगिक घरानों और 10 एकड़ मांगने वाली इंटरनेशनल साइकिल्स एंड स्ट्रिप्स के लिए अलग पैमाना क्यों?

बड़े घरानों को 126 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से जमीन; नौ महीने बाद 10 एकड़ मांगने वाली कंपनी को 350 रुपये प्रति वर्ग गज के आधार पर रकम जमा कराने पर - हाईकोर्ट ने खड़े किए सवाल

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। फोकल प्वाइंट फेज-8 की सैकड़ों एकड़ औद्योगिक जमीन से जुड़े विवाद की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण परत उसकी कीमत और आवंटन के मापदंड हैं। एक तरफ बड़े औद्योगिक घरानों को जमीन 6.30 लाख रुपये प्रति एकड़ यानी 126 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से देने का फैसला हुआ। दूसरी तरफ कुछ महीने बाद इसी क्षेत्र में केवल 10 एकड़ जमीन मांगने वाली इंटरनेशनल साइकिल्स एंड स्ट्रिप्स लिमिटेड को 350 रुपये प्रति वर्ग गज की दर के आधार पर जमीन की लागत का 20 प्रतिशत अग्रिम धन जमा कराने को कहा गया। यही अंतर बाद में अदालत में चुनौती के प्रमुख आधारों में शामिल हुआ। सवाल इसलिए बड़ा था क्योंकि मामला खुले बाजार में दो अलग-अलग समय पर हुई सामान्य खरीद-बिक्री का नहीं, बल्कि सरकारी औद्योगिक जमीन के आवंटन से जुड़ा था। अदालती रिकॉर्ड में दर्ज शर्त के मुताबिक संबंधित आवंटियों को आवंटित जमीन की पूरी कीमत 6.30 लाख रुपये प्रति एकड़, यानी 126 रुपये प्रति वर्ग गज के हिसाब से जमा कराने को कहा गया था। औपचारिक आवंटन पत्र 22 अप्रैल 1994 को जारी किए गए। यहीं तक मामला सामान्य सरकारी आवंटन का दिखाई देता है। लेकिन करीब आठ महीने बाद उसी औद्योगिक क्षेत्र में जमीन मांगने वाली एक दूसरी कंपनी के सामने अलग तस्वीर सामने आई।

15 दिन दिए, लेकिन समय पूरा होने से पहले आवेदन पर फैसला ?

इस कहानी की एक और अहम तारीख है 19 जनवरी 1995। 6 जनवरी को जारी पत्र में कंपनी को रकम और दस्तावेज जमा कराने के लिए 15 दिन का समय दिया गया था। लेकिन न्यायिक रिकॉर्ड के अनुसार 19 जनवरी को हुई आवंटन समिति की बैठक में ही कंपनी के आवेदन को अग्रिम धन जमा न कराने के आधार पर अस्वीकार कर दिया गया।

मामला सिर्फ २२४ रुपये के अंतर का नहीं बल्कि एक समान और पारदर्शी नीति का

यदि विवाद केवल जमीन की बढ़ती कीमत का होता तो सरकार अलग समय की अलग दर का तर्क दे सकती थी। लेकिन अदालत के सामने बड़ा सवाल था कि सरकारी जमीन देने के लिए एक समान और पारदर्शी नीति लागू हुई या नहीं। इंटरनेशनल साइकिल्स एंड स्ट्रिप्स ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि छह बड़े औद्योगिक घरानों को जमीन 126 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से दी गई, जबकि उससे 350 रुपये प्रति वर्ग गज की दर मांगी गई और आवंटन प्रक्रिया में एक समान नीति नहीं अपनाई गई।

इसीलिए इस मामले की असली जांच केवल यह नहीं कि—

- जमीन सस्ती किसे मिली?
- बल्कि यह भी है— दर किसने तय की? किस नीति के तहत तय की?
- मार्च-अप्रैल 1994 में 126 रुपये प्रति वर्ग गज का आधार क्या था?
- जनवरी 1995 तक वही जमीन 350 रुपये प्रति वर्ग गज के आधार पर कैसे पहुंची?
- क्या इस बीच सरकार ने कोई नई मूल्य नीति लागू की थी?
- यदि दर बदली थी तो उसका आदेश और प्रभावी होने की तारीख क्या थी?

और सबसे महत्वपूर्ण—

- क्या बड़े और छोटे आवेदकों के लिए परियोजना रिपोर्ट, अग्रिम धन और जमीन की जरूरत साबित करने की कसौटी समान थी?
- यही सवाल आगे जाकर 340 एकड़ की इस फाइल को जमीन की कीमत से निकालकर सरकारी निर्णय प्रक्रिया और समान अवसर के मुद्दे में बदल देता है। और अगली कड़ी में यही कहानी और गंभीर होने वाली है।

भाग-3 में पढ़िए

- पहले 100 एकड़ जमीन, बाद में ‘उपयुक्त परियोजना’ की तलाश? हीरो साइकिल्स की फाइल पर हाईकोर्ट ने क्या सवाल उठाए
- 267 एकड़ की मांग का जिक्र, मिली 100 एकड़ जमीन—आवंटन के बाद परियोजना के लिए सलाहकार रखने संबंधी पत्राचार ने क्यों खींचा अदालत का ध्यान?

यानी पत्र जारी होने के केवल 13 दिन बाद आवेदन पर फैसला हो गया।

कंपनी ने अदालत में यह भी दावा किया कि उसने छह लाख रुपये का बैंक ड्राफ्ट अग्रिम धन के रूप में भेजा था और परियोजना रिपोर्ट तथा प्रस्तावित इकाई का नक्शा भी आवेदन के साथ दिया था। यह कंपनी का पक्ष था, जिसे उसने अपने आवंटन को अस्वीकार किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में रखा।

10 एकड़ मांगी, 350 रुपये प्रति वर्ग गज का आधार

इंटरनेशनल साइकिल्स एंड स्ट्रिप्स लिमिटेड ने 22 दिसंबर 1994 को फोकल प्वाइंट फेज-8 में 10 एकड़ अविकसित जमीन के आवंटन के लिए आवेदन किया। इसके बाद 6 जनवरी 1995 को कंपनी को पत्र भेजकर जमीन की लागत का 20 प्रतिशत अग्रिम धन 350 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से 15 दिनों के भीतर जमा कराने को कहा गया। साथ ही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और प्रस्तावित परियोजना को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने को भी कहा गया।

यही वह आंकड़ा है जिसने पूरे विवाद में बड़ा सवाल खड़ा किया—

बड़े औद्योगिक घरानों के लिए 126 रुपये, लेकिन 10 एकड़ मांगने वाली कंपनी के लिए 350 रुपये प्रति वर्ग गज का आधार क्यों ?

दोनों दरों के बीच अंतर 224 रुपये प्रति वर्ग गज का था।

सिर्फ अनुपात देखें तो 350 रुपये की दर 126 रुपये के मुकाबले करीब 2.8 गुना बैठती है। लेकिन यहां एक जरूरी तथ्य समझना होगा—इंटरनेशनल साइकिल्स एंड स्ट्रिप्स से तत्काल पूरी जमीन की कीमत नहीं, बल्कि 350 रुपये प्रति वर्ग गज की दर के आधार पर 20 प्रतिशत अग्रिम धन जमा कराने को कहा गया था। इसलिए तुलना को इसी दस्तावेजी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

तीज के रंग में रंगा बीवीएम स्कूल दुगरी, विद्यार्थियों ने दिखाई सांस्कृतिक प्रतिभा

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। भारतीय विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दुगरी में तीज का पर्व पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तीज से जुड़ी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और लोक विरासत से परिचित कराना रहा। कक्षा नौवीं की छात्रा नवकीरत ने तीज के महत्व और भारतीय संस्कृति में इसके स्थान पर प्रकाश डाला। नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थी रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में स्कूल पहुंचे और समारोह की रौनक बढ़ाई। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के नन्हे विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने फैंसी ड्रेस के जरिए भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा छठी और सातवीं के विद्यार्थियों ने मधुर पंजाबी लोकगीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं, कक्षा दसवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने मेहंदी प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आकर्षक और रचनात्मक डिजाइनों का प्रदर्शन किया। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने हरियाणवी और पंजाबी लोकनृत्य प्रस्तुत कर माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। प्रधानाचार्य ज्योति गर्ग ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संजोने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तीज जैसे त्योहार विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ उनमें एकता, खुशी और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित करते हैं।

इनिशिएटर्स ऑफ चेंज और फिक्की फ्लो ने वंचित विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता सेमिनार कराया

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। लुधियाना इनिशिएटर्स ऑफ चेंज ने फिक्की फ्लो लुधियाना के सहयोग से ईशमीत सिंह म्यूजिक इंस्टीट्यूट, लुधियाना में वंचित विद्यार्थियों के लिए वित्तीय एवं व्यक्तिगत बचत साक्षरता सेमिनार का आयोजन किया। इसका उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को धन प्रबंधन, बचत और वित्तीय सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना था। इस सत्र का आयोजन जसलीन ननकाना द्वारा फिक्की फ्लो लुधियाना की चेयरपर्सन ऐशनी सेठी और इनिशिएटर्स ऑफ चेंज के चेयरमैन गौरवदीप सिंह के नेतृत्व में किया गया। सत्र का संचालन दिल्ली स्थित फाइनेंशियल अड्डा के जसकीरत सिंह गुजराल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों से धन की समझ, जिम्मेदारी से बचत करने की आदत विकसित करने, जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर समझने, खर्चों की योजना बनाने और सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत की। वित्तीय अवधारणाओं को सरल और रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया, ताकि विद्यार्थी उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपना सकें। अजिंदर कौर, सदस्य, पंजाब राज्य महिला आयोग ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

जमीन का 'राज' खुलेगा या फिर सवाल रह जाएंगे अनसुलझे? पैमाइश के बाद कार्रवाई होगी या थम जाएंगी चर्चाएं!

बराड़ा/यूटर्न/11 अगस्त। गोसाई मंदिर के पास स्थित चर्चित दुकानों को लेकर बराड़ा में कई दिनों से उठ रहे सवाल अब उस मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहां कागजों से निकलकर जमीन पर सच सामने आने वाला है। विभाग ने संबंधित विभाग को पैमाइश करवाने के लिए पत्र भेज दिया है और बताया जा रहा है कि कल मौके पर पैमाइश की जाएगी।अब बराड़ा की नजरें सिर्फ पैमाइश पर नहीं, बल्कि उस सच पर टिकी हैं जो पैमाइश के बाद सामने आएगा।आखिर किस जमीन पर खड़ी हैं दुकानें?गोसाई मंदिर के पास बनी इन दुकानों को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सवाल उठ रहे हैं कि दुकानों का निर्माण किस रकबे में हुआ है? जमीन की वास्तविक सीमा क्या है? मौके पर मौजूद निर्माण विभागीय रिकॉर्ड के मुताबिक है या नहीं?इन सवालों का जवाब अब मौके की पैमाइश से मिलने की उम्मीद है।कल सिर्फ जमीन नहीं, कई सवालों की होगी पैमाइश:-कल होने वाली पैमाइश को लेकर लोगों में उत्सुकता है। हर कोई यह जानना चाहता है कि मौके पर जब जमीन की वास्तविक स्थिति सामने आएगी तो तस्वीर क्या बनेगी।यदि पैमाइश में

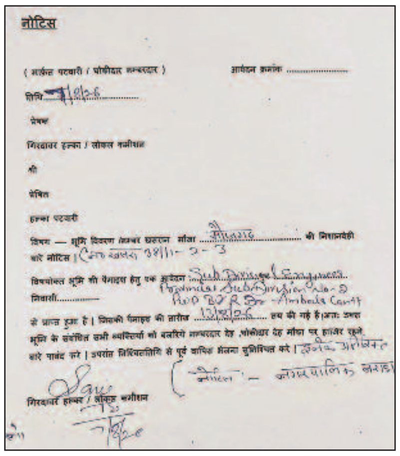

नोटिस

(मार्फत पटवारी / चौकीदार नम्बरदार) आवेदन क्रमांक ....

तिथि ...../8/26

प्रेषक

गिरदावर हल्का / लोकल कमीशन

श्री

प्रेषित

हल्का पटवारी

विषय — भूमि विवरण ... मौजा ...... की निशानदेही बारे नोटिस। (... 38//1-2-3

विषयोक्त भूमि की पैमाइश हेतु एक आवेदन Sub Divisional Engineer ... Sub Division No-2 PWD B&R ... Ambala Cantt

निवासी..........

से प्राप्त हुआ है। जिसकी पैमाइश की तारीख ...13/8/26... तय की गई है।अतः उक्त भूमि के संबंधित सभी व्यक्तियों को ... मौका पर हाजिर रहने बारे पाबंद करें। उपरांत ... वापिस भेजना सुनिश्चित करें। ...

गिरदावर हल्का / लोकल कमीशन

सब कुछ रिकॉर्ड और निर्धारित सीमा के अनुसार पाया जाता है तो इन दुकानों को लेकर चल रही चचाओं पर विराम लग सकता है।लेकिन यदि स्थिति कुछ और सामने आई तो फिर अगला कदम क्या होगा?यही सवाल इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में है।

शिकायतकर्ता बोला—'अब सच जमीन पर दिखाई देगा': मामले को लेकर शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने जो सवाल उठाए हैं, उनका सही जवाब केवल निष्पक्ष पैमाइश से ही मिल सकता है।शिकायतकर्ता के अनुसार, 'पैमाइश होने दीजिए। जमीन की वास्तविक स्थिति खुद-ब-खुद सबके सामने आ जाएगी। इसके बाद किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी।' अब असली परीक्षा पैमाइश के बाद।पैमाइश के बाद रिपोर्ट क्या कहती है, यह तो आने वाला समय बताएगा। लेकिन एक बात साफ है—मामला अब सिर्फ चचाओं तक सीमित नहीं रहा।यदि निर्माण निर्धारित सीमा से बाहर पाया जाता है तो क्या विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगा? क्या जिम्मेदारी तय होगी? और यदि सब कुछ नियमों के मुताबिक मिला तो क्या इन दुकानों को लेकर उठ रहे सवालों पर हमेशा के लिए विराम लग जाएगा?इन सवालों का जवाब अब कल की पैमाइश और उसके बाद आने वाली रिपोर्ट में छिपा है। बराड़ा में लोगों की निगाहें अब गोसाई मंदिर के पास उस जमीन पर हैं, जहां कल होने वाली पैमाइश सिर्फ सीमाएं नहीं नापेगी, बल्कि लंबे समय से चल रही चचाओं की हकीकत भी सामने ला सकती है। अब इंतजार पैमाइश का नहीं, उसके नतीजे का है-जमीन क्या कहती है, कल मौके पर साफ हो जाएगा।

जनता का सीधा सवाल—सियासत के बीच सफाई की बारी कब?

-अमरिंदर सिंह-

बराड़ा/यूटर्न/11 अगस्त। बराड़ा में इन दिनों राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं। नगरपालिका चेयरमैन रजत मलिक की स्थानीय स्तर पर सक्रियता के साथ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष रिचा पाहवा के बराड़ा में राजनीतिक कार्यक्रमों और बैठकों को लेकर माहौल गर्म है। नेताओं की सक्रियता के बीच शहर के लोगों के सामने एक अलग ही तस्वीर नजर आ रही है।शहर के कई हिस्सों में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं और नेता लगातार जनता के बीच पहुंच रहे हैं, तो ऐसे में शहर की मूलभूत समस्याओं पर भी

उतनी ही गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।कूड़े के ढेरों से जहां स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं गंदगी के कारण बदबू और बीमारी फैलने की आशंका भी बनी हुई है। अब लोगों के बीच सवाल उठ रहा है कि बराड़ा में राजनीति की सरगर्मियां तो तेज हो गई, लेकिन सफाई व्यवस्था कब पटरी पर आएगी?

जनता का सीधा सवाल—सियासत के बीच सफाई की बारी कब?...बराड़ा में राजनीतिक गतिविधियों के बीच कूड़े के ढेरों की तस्वीरें नगरपालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के लिए चुनौती बनती नजर आ रही हैं। लोगों की मांग है कि राजनीतिक कार्यक्रमों और बैठकों के साथ-साथ शहर की सफाई, कूड़ा उठाने और नियमित सफाई व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी जाए।अब देखना होगा कि बराड़ा की राजनीतिक सरगर्मियों के बीच कूड़े के ढेरों पर कब कार्रवाई होती है और शहर को कब साफ-सुथरा रखने की व्यवस्था पूरी तरह प्रभावी होती है।

डीआईजी संदीप गोयल ने लुधियाना देहात का दौरा कर स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/11/अगस्त। आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से चाक-चौबंद करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने मैदान संभाल लिया है। इसी कड़ी में आज लुधियाना रेंज के डीआईजी, माननीय संदीप गोयल (IPS) ने जग्रांव पहुंचकर स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल का दौरा किया और वहां किए गए सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया। दौरे के दौरान डीआईजी ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के हर पहलू का

गहराई से निरीक्षण किया। इसके साथ ही, उन्होंने ज़िला लुधियाना देहात में कानून और व्यवस्था (Law and Order) को बनाए रखने के लिए तैनात किए गए पुलिस बल और अधिकारियों की ड्यूटियों का भी जायजा लिया।

इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक करते हुए उन्हें सुरक्षा संबंधी जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय पर्व के दौरान सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाए।

बच्चों को वाहन चलाने से रोकें अभिभावक, बराड़ा थाना प्रभारी राम करण सैनी ने की खास अपील

-अमरिंदर सिंह-

बराड़ा। सड़क सुरक्षा और बच्चों की जान की सुरक्षा को लेकर बराड़ा थाना प्रभारी राम करण सैनी ने क्षेत्र के अभिभावकों से

महत्वपूर्ण अपील की है। थाना प्रभारी ने कहा कि अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों को बाइक, स्कूटी या किसी भी प्रकार का वाहन चलाने की अनुमति न दें।थाना प्रभारी ने कहा कि आजकल कई बार कम उम्र के बच्चे बिना पर्याप्त यातायात जानकारी और अनुभव के सड़कों पर वाहन चलाते दिखाई देते हैं। तेज रफ्तार, यातायात नियमों की जानकारी का अभाव और अचानक सामने आने वाली परिस्थितियां हादसे का कारण बन सकती हैं।बराड़ा थाना प्रभारी राम करण सैनी ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को वाहन देना उनकी सुविधा जरूर हो सकती है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें और उन्हें कम उम्र में वाहन चलाने से रोकें।

हादसे वाली कार बेचने पर डीलर को देना होगा एक लाख रुपये मुआवजा

मोहाली/यूटर्न/11 अगस्त। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग मोहाली ने हादसे में क्षतिग्रस्त हो चुकी कार बेचने के मामले में ओला फ्लीट टेक्नोलॉजीज और शाहवार मोटिव्स को उपभोक्ता को एक लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। दोनों कंपनियों को मानसिक परेशानी, उत्पीड़न और मुकदमेबाजी खर्च के लिए यह राशि संयुक्त रूप से देनी होगी। इसके अलावा आयोग ने उपभोक्ता द्वारा थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के लिए अदा किए गए 3,860 रुपये भी वापस करने के निर्देश दिए हैं। यह मामला ढकोली जीरकपुर निवासी मनीष कुमार की शिकायत से जुड़ा है। मनीष ने 29 अप्रैल 2022 को विपक्षी पक्षों से छह लाख रुपये में सेकेंड हैंड मारुति ब्रेजा खरीदी थी। खरीद के समय कार की ओडोमीटर रीडिंग 65,991 किलोमीटर थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, कार बेचते समय उसे बताया गया था कि वाहन कभी दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ और उसके ओडोमीटर के साथ भी कोई छेड़छाड़ नहीं की गई।

अधिकृत सर्विस सेंटर के रिकॉर्ड से खुला राज

मनीष ने 24 जुलाई 2022 को कार को दिल्ली स्थित मारुति के अधिकृत सर्विस सेंटर डीडी मोटर्स में दिखाया। वहां के सर्विस रिकॉर्ड की जांच में सामने आया कि जनवरी 2022 में कार करीब 10 हजार किलोमीटर चल चुकी थी और दुर्घटना के बाद उसकी करीब 70 हजार रुपये की मरम्मत कराई गई थी। उसे यह भी बताया गया कि वाहन पहले दो दुर्घटनाओं का शिकार हो चुका था। इसके बाद मनीष ने ओला फ्लीट टेक्नोलॉजीज से संपर्क कर कार बदलने या खरीद की पूरी रकम वापस करने की मांग की। ईमेल के जरिए हुई बातचीत में कंपनी ने पहले 30 हजार रुपये और बाद में 50 हजार रुपये मुआवजा देने की पेशकश की, लेकिन शिकायतकर्ता ने दोनों प्रस्ताव ठुकरा दिए।

कंपनी का लिखित जवाब समय पर नहीं आया

आयोग ने पाया कि ओला फ्लीट टेक्नोलॉजीज का लिखित जवाब निर्धारित 45 दिन की अवधि में दाखिल नहीं किया गया, जिसके चलते उसका लिखित बयान रिकॉर्ड से हटा दिया गया। वहीं शाहवार मोटिव्स आयोग के समक्ष पेश नहीं हुआ और उसके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की गई। ओला ने अपने पक्ष में कहा कि उसने केवल खरीदार और विक्रेता के बीच संपर्क स्थापित करने में भूमिका निभाई थी और वाहन की बिक्री में सीधे तौर पर शामिल नहीं थी। हालांकि, आयोग ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। आयोग ने विशेष रूप से यह भी देखा कि कंपनी ने खुद विवाद के दौरान शिकायतकर्ता को मुआवजा देने की पेशकश की थी। आयोग ने शिकायत को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए दोनों विपक्षी पक्षों को संयुक्त रूप से एक लाख रुपये मुआवजा और 3,860 रुपये थर्ड पार्टी इंश्योरेंस की राशि लौटाने का आदेश दिया।

यूटर्न टाइम

कोट खालसा में अवैध डेयरियों पर निगम का बड़ा एक्शन

विरोध के बावजूद 5 डेयरियों से पशु जब्त, गौशाला भेजे गए

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यूटर्न/11 अगस्त। नगर निगम अमृतसर ने शहर में अनधिकृत डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए कोट खालसा के आदर्श नगर-इंदरपुरी क्षेत्र में 5 अवैध डेयरियों पर बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम आयुक्त बिक्रमजीत सिंह शेरगिल और अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त डॉ. जय इंदर सिंह के निर्देशों पर यह अभियान पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम को डेयरी संचालकों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद प्रवर्तन टीम ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए

अनधिकृत डेयरियों से पशुओं को जब्त किया और नियमों के अनुसार उन्हें नगर निगम की गौशाला में भेज दिया। यह कार्रवाई MOH डॉ. रमा, ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार अंगद सिंह और चीफ सैनिटरी ऑफिसर जे.पी. बब्बर की निगरानी में हुई। टीम में उरक सरबजीत सिंह, अनिल डोगरा, रक ब्रह्म दास, रविंदर कुमार, अशोक कुमार और शाम सिंह सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने भी निगम अधिकारियों को सहयोग दिया।

अवैध डेयरियों पर नहीं होगी कोई ढील

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर की अनधिकृत डेयरियां स्वच्छता, पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या पैदा करती हैं। पशुओं के कारण गंदगी और स्थानीय लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए निगम ने कार्रवाई जारी रखने का फैसला किया है। अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ. जय इंदर सिंह ने डेयरी संचालकों को चेतावनी दी कि वे अवैध गतिविधियां तुरंत बंद कर अधिकृत स्थानों पर डेयरियां स्थानांतरित करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पशु जब्ती सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेनों में अवैध पानी और खानपान सामग्री की बिक्री पर IRCTC की सख्ती

49 ट्रेनों की जांच, 2772 अवैध पानी की बोतलें जब्त

अमृतसर/यू टर्न / 11 अगस्त/ट्रेनों में यात्रियों को केवल अधिकृत एवं स्वीकृत खानपान सामग्री और पैकेज्ड पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (IRCTC) ने देशभर में विशेष अभियान शुरू किया है। इसी अभियान के तहत IRCTC के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले प्रमुख रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित जांच की जा रही है। पिछले सप्ताह चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान अंबाला, लुधियाना, अमृतसर, कटरा और जम्मू सहित विभिन्न स्टेशनों पर कुल 49 ट्रेनों की जांच की गई। इस दौरान ट्रेनों में बिक्री के लिए रखी गई 2772 अवैध पानी की बोतलें जब्त की गई।

कैटरिंग यूनिट्स की निगरानी के लिए QRT गठित

IRCTC चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने कैटरिंग यूनिट्स और ट्रेनों में खानपान गतिविधियों की निगरानी के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) का गठन भी किया है। इन टीमों की अगुवाई IRCTC चंडीगढ़ के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक (CRM) और ज्वाइंट जनरल मैनेजर (JGM) कर रहे हैं।

अंबाला छावनी में दो ट्रेनों की सरप्राइज चेकिंग

इसी क्रम में 10 अगस्त को अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर उफ्ट चंडीगढ़ दफ्छ द्वारा दो ट्रेनों का सरप्राइज इंस्पेक्शन किया गया। जांच के दौरान अवैध खानपान उत्पादों के 13 कार्टन जब्त किए गए। इनमें आइसक्रीम और फ्लेवर्ड मिल्क सहित अन्य खानपान सामग्री शामिल थी।

अवैध बिक्री पूरी तरह बंद होने तक जारी रहेगा अभियान

IRCTC के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत जम्मू, अंबाला और फिरोजपुर मंडल आते हैं। अधिकारियों के अनुसार, ट्रेनों में अवैध खानपान सामग्री और पानी की बिक्री पूरी तरह बंद होने तक नियमित जांच और सरप्राइज इंस्पेक्शन जारी रहेंगे। यह अभियान IRCTC की देशव्यापी पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को ट्रेनों में केवल अधिकृत, गुणवत्तापूर्ण और स्वीकृत खानपान उत्पाद एवं पानी उपलब्ध कराना तथा अवैध बिक्री पर प्रभावी रोक लगाना है।

गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर जोर, सरपंचों व अधिकारियों के साथ मीटिंग

आर . के. उप्पल

अमृतसर/यू टर्न /11 अगस्त / गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) अमृतसर श्री सुरिंदर सिंह की अध्यक्षता में सरपंचों, पंचायत सचिवों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में गांवों में चल रहे ठोस कचरा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि गांवों की

आबादी के अनुसार पर्याप्त कंपोजिट पिट बनाए जाएं। ठोस कचरा प्रबंधन परियोजनाओं के तहत सेग्रीगेशन शेड एवं चारदीवारी का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाए।

कर्मभूमि सुपरफास्ट एक्सप्रेस के ट्रेन नंबर में बदलाव

अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी जाने वाली 12408 अब 12508 और वापसी की 12407 अब 12507 नंबर से चलेगी

अमृतसर/यूटर्न/11 अगस्त। रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए उत्तर रेलवे ने परिचालन कारणों के चलते अमृतसरझ्न्यू जलपाईगुड़ीझ्अमृतसर कर्मभूमि सुपरफास्ट एक्सप्रेस के ट्रेन नंबरों में बदलाव किया है। यह बदलाव निर्धारित तिथियों से प्रभावी होगा। रेलवे के अनुसार, अमृतसर जंक्शन से न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन जाने वाली साप्ताहिक कर्मभूमि सुपरफास्ट एक्सप्रेस का पुराना ट्रेन नंबर 12408 बदलकर 12508 कर दिया गया है। यह नया नंबर 14 अगस्त 2026 को अमृतसर जंक्शन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन से प्रभावी होगा। इसी प्रकार न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन से अमृतसर जंक्शन आने वाली साप्ताहिक कर्मभूमि सुपरफास्ट एक्सप्रेस का पुराना ट्रेन नंबर 12407 अब 12507 होगा। यह बदलाव 12 अगस्त 2026 को न्यू जलपाईगुड़ी से चलने वाली ट्रेन से लागू होगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले ट्रेन के नए नंबर की जानकारी अवश्य जांच लें। ट्रेनों से संबंधित ताजा जानकारी ठळएर पर देखी जा सकती है या यात्री रेलवे की हेल्पलाइन 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

रेल परिवहन को मिली नई रफ्तार: नवांशहर दोआबा से अनंतनाग पहुंचा कैटल फीड का पहला पीसमील वैगन

अमृतसर/यूटर्न/11 अगस्त। फिरोजपुर मंडल ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने पहली बार नवांशहर दोआबा (पंजाब) से अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) के लिए कैटल फीड का पीसमील वैगन सफलतापूर्वक रवाना किया। यह पहल रेल के माध्यम से माल परिवहन को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग जगत के लिए एक सुविधाजनक विकल्प साबित होगी। मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के मार्गदर्शन में फिरोजपुर मंडल की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट द्वारा व्यापारियों और उद्योग जगत से लगातार संपर्क कर सड़क मार्ग से होने वाले माल परिवहन को रेलवे की ओर आकर्षित किया जा रहा है। भारतीय रेलवे द्वारा माल भाड़े में दी जा रही विभिन्न रियायतों तथा एक डिब्बे तक की बुकिंग सुविधा से व्यापारियों को काफी लाभ मिल रहा है। वहीं, पीसमील ट्रैफिक की सुविधा के माध्यम से छोटे और मध्यम व्यापारी भी समूह बनाकर अपने माल को देश के विभिन्न हिस्सों तक आसानी से भेज सकते हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट परमदीप सिंह सैनी ने कहा कि कैटल फीड की यह पहली पीसमील लोडिंग मंडल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे न केवल रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और अधिक व्यापारी रेल माल ढुलाई से जुड़ेंगे। फिरोजपुर मंडल द्वारा माल ढुलाई को सरल, किफायती और सुविधाजनक बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से आने वाले समय में रेलवे के माल परिवहन क्षेत्र को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

लुधियाना में पेड़ों की अवैध कटाई संबंधी प्रिंसिपल सेक्रेटरी से शिकायत, सख्त कार्रवाई की मांग

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। लुधियाना में लगातार हो रही अवैध पेड़ों की कटाई को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता रविंदर पाल सिंह घई ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पंजाब सरकार और संबंधित विभागों से तत्काल और ठोस कार्रवाई की मांग की है। इस संबंधी घई ने प्रिंसिपल चीफ कोनसर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट, प्रिंसिपल सेक्रेटरी पंजाब, डीसी लुधियाना और नगर निगम कमिश्नर को शिकायत भेजी गई है। रविंदर पाल घई ने आरोप लगाया कि पेड़ों की अवैध कटाई संबंधी मामलों में जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई करने के बजाय केवल कागजी कार्रवाई तक मामला सीमित रह जाता है। उन्होंने मांग की कि हॉर्टिकल्चर विभाग और वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की स्पष्ट एवं दस्तावेजी एक्शन टेकन रिपोर्ट उपलब्ध करवाई जाए तथा यदि किसी अधिकारी या विभाग की लापरवाही सामने आती है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने इस मामले में तत्काल जांच करवाकर कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि पेड़ों की कटाई को लेकर कानून और नियम मौजूद हैं तो उनका सख्ती से पालन करवाना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जगराओं पुल पर एक कंपनी द्वारा कई पेड़ काट दिए गए हैं। इस मामले में कंपनी के साथ साथ जिम्मेदार अफसरों पर भी एक्शन होना चाहिए।

अगली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा

पर्यावरण से खिलवाड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा है। घई ने कहा कि आज लुधियाना सहित पूरा पंजाब बढ़ते तापमान, प्रदूषण, बदलते मौसम और मानसून के असामान्य पैटर्न जैसी गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में पेड़ों की सुरक्षा और हरित क्षेत्र को बचाना पहले से कहीं अधिक जरूरी है।

फॉगिंग के लिए खरीदी 3000 लीटर कीटनाशक दवा का निरीक्षण

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। शहर में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा खरीदी गई कीटनाशक दवा की गुणवत्ता जांचने के लिए मंगलवार को खरीद कमेटी ने निरीक्षण किया। सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर की अगुवाई में कमेटी ने गिल रोड स्थित नगर निगम के जोन-सी कार्यालय में पहुंचकर फॉगिंग के लिए खरीदी गई कीटनाशक दवा की जांच की। निरीक्षण के दौरान पार्षद जसपाल ग्रेवाल, निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विपुल मल्होत्रा सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शहरभर में फॉगिंग अभियान को लगातार जारी रखने के लिए नगर निगम की ओर से 3000 लीटर कीटनाशक दवा खरीदी गई है। सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने कहा कि नगर निगम का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि फॉगिंग के लिए पहले भी कीटनाशक खरीदे गए थे और अब अभियान में किसी तरह की रुकावट न आए, इसके लिए अतिरिक्त दवा खरीदी गई है। इसी के तहत मंगलवार को दवा की गुणवत्ता की जांच की गई।

स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल में हुआ दंत चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए दंत चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा जसवंत सिंह डेंटल कॉलेज के विशेषज्ञ दंत चिकित्सकों द्वारा विद्यार्थियों के दाँतों की जाँच की गई तथा उन्हें दाँतों की स्वच्छता और उनकी उचित देखभाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को दिन में दो बार ब्रश करने, पौष्टिक आहार लेने तथा अधिक मीठे खाद्य पदार्थों से परहेज करने के लिए प्रेरित किया गया। चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को समझाया कि नियमित रूप से दाँतों की जाँच करवाना दाँतों को स्वस्थ रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इस स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरपर्सन अविनाश कौर वालिया ने कहा कि विद्यार्थियों का स्वस्थ रहना उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक होता है। इसके साथ ही डायरेक्टर्स कमलप्रीत कौर, मनदीप वालिया, डिप्टी डायरेक्टर सोनिया वर्मा और प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने भी बच्चों को अपने मुंह और दांतों की सफाई के लिए प्रेरित किया।

मोटर से पानी लगाने से रोकने पर किसान ने निगला जहरीला पदार्थ, मौत, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। गांव डेहलों में मोटर से पानी लेने को लेकर प्रताड़ित करने पर एक किसान ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिवार वालों द्वारा हालत बिगड़ने पर उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल लुधियाना भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान केसर सिंह के रूप में हुई है। थाना डेहलों पुलिस ने गांव डेहलों के भगवंत सिंह की शिकायत पर सुरजीत कौर, बिक्कर सिंह और चरणजीत सिंह निवासी गांव ख्याली महल कलां, बरनाला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि केसर सिंह उसके पिता है। भगवंत सिंह ने बताया कि उनकी खेती वाली मोटर उसके ताया हाकम सिंह के नाम पर है। हाकम सिंह की मौत के बाद जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी उसके पिता को मोटर से पानी लगाने से रोकते थे और उनके साथ गाली-गलौज भी करते थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि लगातार हो रही कथित परेशानी से तंग आकर केसर सिंह ने जहरीला पदार्थ निगल लिया।

पंजाब में प्रशासनिक फेरबदलः 4 आईएएस अधिकारियों के तबादले जारी

पंजाब/यूटर्न/11 अगस्त। पंजाब सरकार की औस से प्रशासनिक जरूरतों के मद्देनजर तुरंत प्रभाव से 4 आईएएस अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल के निर्देश पर मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा द्वारा जारी इस आदेश के तहत आईएएस वरुण रूजम प्रशासनिक सचिव, परिवहन को खेल एवं युवा सेवाएं विभाग के प्रशासनिक सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं साक्षी साहनी विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को निदेशक, खेल एवं युवा सेवाएं का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह संदीप ऋषि मुख्य प्रशासक, ग्माडा को नगर निगम जालंधर कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार मिला है और जालंधर नगर निगम कमिश्नर पद से हटाकर निकास कुमार को अतिरिक्त सचिव, सामान्य राज्य प्रबंध एवं तालमेल विभाग के पद पर तैनात किया गया है। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को बिना किसी देरी के अपनी नई तैनाती का पदभार तुरंत ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

बंटवारे की एवज में रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार, विजिलेंस ने 15 हजार लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

लुधियाना/यूटर्न/11 अगस्त। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने माल हल्का रुड़का, तहसील डेहलों में तैनात पटवारी पुनीत कुमार यादव को 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संबंध में, आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा के थाना लुधियाना में मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की आगे की जाँच जारी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो ने बताया कि उक्त आरोपी को तहसील डेहलों, जिला लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी पटवारी ने शिकायतकर्ता की जमीन का बंटवारा करने के एवज में एक लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। इस सिलसिले में, आरोपी पटवारी पहले ही शिकायतकर्ता से 35,000 रुपये रिश्वत ले चुका है। शिकायतकर्ता और रिश्वत नहीं देना चाहता था, इस लिए उसने विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने एक जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी पटवारी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

13 अगस्त को वोटर सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन, 16 को लगेंगे विशेष कैंप

12 सितंबर तक दावे-आपत्तियां, 12 अक्टूबर को अंतिम वोटर सूची होगी प्रकाशित

दलजीत अजनोहा

होशियारपुर/यूटर्न/11 अगस्त। डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 13 अगस्त को वोटर सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा।

इसके बाद 16 अगस्त को जिले के सभी पोलिंग बूथों पर विशेष कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 8 बजे से शाम 3 बजे तक संबंधित बूथों पर मौजूद रहेंगे।

मतदाता वोटर सूची में अपना नाम और विवरण जांच सकेंगे तथा फॉर्म नंबर 6, 7 और 8 के माध्यम से दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। दावे और आपत्तियां 12 सितंबर तक संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के पास जमा कराई जा सकेंगी। इनका निपटारा 8 अक्टूबर तक करने के बाद 12 अक्टूबर को अंतिम वोटर सूची प्रकाशित की जाएगी। जिले में एसआईआर के तहत 12,68,648 मतदाताओं को गणना फॉर्म बांटे गए। इनमें 11,69,930 फॉर्म ऑफलाइन और 1,487 ऑनलाइन प्राप्त हुए। पुनरीक्षण के दौरान 15,265 मतदाता गैर-हाजिर, 48,512 स्थान छोड़ चुके और 28,475 मतदाता मृत पाए गए।

हरियाणा के कॉलेज-यूनिवर्सिटी में मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं, NEP 2020 पर सरकार का फोकस

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उच्चतर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने पंचकूला में उच्चतर शिक्षा काउंसिल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के बुनियादी

ढांचे, शिक्षा की गुणवत्ता और एनईपी के तहत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसा सुविधासंपन्न माहौल मिलना चाहिए, जहां वे बेहतर शिक्षा के साथ शोध और नवाचार पर भी ध्यान दे सकें। मंत्री ने उच्च शिक्षण संस्थानों को अधिक प्रशासनिक और शैक्षणिक स्वायत्तता देने के मानकों पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थागत विकास योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका धरातल पर पारदर्शी तरीके से पालन हो। बैठक में स्कूल शिक्षा, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण और महिला एवं बाल विकास विभाग ने एनईपी 2020 की प्रगति रिपोर्ट पेश की। मंत्री ने सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर देते हुए कहा कि प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च और कौशल शिक्षा तक एक मजबूत और एकीकृत व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए।

थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से की मुलाकात

नागरिक-सैन्य समन्वय, क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम ने मंगलवार को पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान नागरिक-सैन्य समन्वय, क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, एवीएसएम, एसएम सहित सेना मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। भारतीय

सेना की कमान संभालने के बाद थल सेनाध्यक्ष की राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ यह पहली मुलाकात थी। बैठक का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि पंजाब के राज्यपाल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक का दायित्व भी संभालते हैं। जनरल धीरज सेठ ने राज्यपाल को राष्ट्र निर्माण में भारतीय सेना की भूमिका और उसकी प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के कल्याण को बढ़ावा देने वाली राज्य सरकार की पहलों के लिए भी आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने आंतरिक सुरक्षा से जुड़े नवीनतम घटनाक्रम, सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित मुद्दों की जानकारी भी साझा की। कर्नल जसदीप संधू, सलाहकार, नागरिक-सैन्य मामलों ने कहा कि बैठक से क्षेत्र में नागरिक-सैन्य समन्वय और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे आंतरिक सुरक्षा, सीमाओं पर शांति बनाए रखने, प्राकृतिक आपदाओं और बाहरी खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा विभिन्न आपात स्थितियों के लिए तैयार रहने की दिशा में आपसी विश्वास और सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

दुकान के सामने खड़ी कार से नकदी और लैपटॉप से भरा बैग चोरी

जागरण/यूटर्न/11 अगस्त। बालाजी कॉम्प्लेक्स में दुकान के सामने खड़ी कार को निशाना बनाकर अज्ञात व्यक्ति नकदी और जरूरी दस्तावेज से भरा बैग चोरी कर ले गया। आरोपी ने कार की कंडक्टर साइड की पिछली खिड़की खोलकर वारदात को अंजाम दिया। घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। शिकायत के आधार पर थाना ढकोली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निया शर्मा का हॉट अंदाज

टेलीविजन और ओटीटी की लोकप्रिय अभिनेत्री निया शर्मा एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज और बेजोड़ फैशन सेंस के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में सामने आए उनके नए फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिसमें वे बेहद ग्लैमरस, बोल्ड और बोहो-चिक अवतार में नजर आ रही हैं। निया ने एब्स्ट्रैक्ट प्रिंटेड, भूरे और अर्थी शेड्स वाली मोनोकिनी स्टाइल ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें तेंदुए और पत्तियों के प्रिंट का मिला-जुला मिश्रण है। इस ड्रेस में गहरा प्लंजिंग वी-नेकलाइन है जिसके सेंटर में गोल्ड टोन हार्डवेयर की डिटेलिंग है, साथ ही साइड्स में डीप कट-आउट्स उनके टोंड एब्स को फ्लॉन्ट कर रहे हैं। पीछे से यह आउटफिट पूरी तरह बैकलेस है और हाल्टर-नेक स्ट्रैप्स से बंधा है। उनके इस वेस्टर्न लुक को जो चीज सबसे अलग बनाती है, वह है नाक की बारीक पतली चेन वाली नाथ, जो उनके चेहरे पर बेहद निखर कर आ रही है। इसके साथ स्लीक गोल्डन बॉडी चेन, लंबा गोल्डन नेकलेस, ईयर कफ और स्टेटमेंट रिंग्स उनके लुक को पूरा करते हैं। न्यूड मेकअप, स्मोकी आंखों और माथे पर लगी छोटी बिंदी ने उनके सन-किस्ड और ग्लोइंग अवतार को और भी उभार दिया है। निया का यह इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन लुक फैशन की दुनिया में खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

IPL प्लेयर पर रेप का आरोप: महिला की शिकायत पर Delhi Capitals क्रिकेटर अभिषेक पोरेल अरेस्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बंगाल के क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को एक महिला द्वारा दर्ज कराए गए रेप केस के सिलसिले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद हुगली की मोगरा पुलिस ने सोमवार देर रात पोरेल को हिरासत में लिया। कोर्ट ने पुलिस को क्रिकेटर को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। यह मामला मेडिकल की थर्ड ईयर की छात्रा के आरोपों से जुड़ा है, जिसने पोरेल पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है।

महिला की शिकायत के बाद यह मामला हाई कोर्ट पहुंचा था। कोर्ट का दखल तब हुआ जब क्रिकेटर पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। हाई कोर्ट ने पहले पुलिस को पोरेल को पकड़ने के लिए कदम उठाने और डिजिटल सबूत सुरक्षित रखने और शिकायतकर्ता की पहचान की सुरक्षा के लिए उसके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का आदेश दिया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिकायत हुगली के मोगरा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। महिला ने आरोप लगाया है कि वह और पोरेल रिलेशनशिप में थे और क्रिकेटर का शादी का वादा उनके रिश्ते में एक अहम बात थी। बाद में उसने पोरेल पर रिश्ता तोड़ने और रेप, मारपीट और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया। हालांकि, पोरेल ने आरोपों से इनकार किया है। पहले की रिपोर्ट्स में कहा गया था कि क्रिकेटर ने आरोपों को झूठा बताया और कहा कि वह सही कानूनी प्रक्रिया के जरिए आरोपों का जवाब देंगे। आरोपों की जांच और न्यायिक कार्यवाही चल रही है, और पोरेल को किसी अपराध का दोषी नहीं ठहराया गया है। यह गिरफ्तारी एक ऐसे मामले में अहम घटनाक्रम है जिसने भारतीय क्रिकेट में पोरेल की पहचान की वजह से काफी ध्यान खींचा है। 23 साल के पोरेल को बंगाल के होनहार युवा क्रिकेटरों में से एक माना जाता है और वह इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है।

IPL में पोरेल के आने से उन्हें काफी पहचान मिली। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर इस्तेमाल किया है और वह फ्रेंचाइजी की योजनाओं में लगातार शामिल रहे हैं। इसलिए, यह गिरफ्तारी उस खिलाड़ी के करियर के एक बहुत अहम मोड़ पर हुई है, जिसे घरेलू सर्किट में उभरते हुए

हिमाचल में बारिश: मॉनसून की तबाही से 157 से ज्यादा मौतें, 886 करोड़ रुपये का नुकसान

चंडीगढ़/यूटर्न/11 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की वजह से मुश्किलें हर दिन बढ़ती जा रही हैं। राज्य भर में 259 सड़कें बंद हैं और भूस्खलन (लैंडस्लाइड) व बारिश से जुड़ी घटनाओं में 157 लोगों की जान जा चुकी है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर (SEOC) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, लगातार हो रही बारिश से लगभग 900 संपत्तियों और सार्वजनिक निर्माण कार्यों को नुकसान पहुँचा है, जिससे करीब 886 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

30 जून से 9 अगस्त तक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) से लगभग 68 लोगों की मौत हुई, जबकि 89 लोग सड़क हादसों में मारे गए। करीब 257 लोग लापता हैं। हालाँकि, हिमाचल की मुश्किलें अभी खत्म होती नहीं दिख रही हैं क्योंकि क्टउने पाँच ज़िलों में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य भर में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, जिसमें कुल्लू और मंडी ज़िले

सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। लगभग 161 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर (उ्ळफ) एक हफ्ते से ज्यादा समय से काम नहीं कर रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा 77 ट्रांसफॉर्मर मंडी में खराब हैं, इसके बाद शिमला में 43 और कुल्लू में 40 ट्रांसफॉर्मर खराब हैं।

हिमाचल में इस समय हर साल होने वाली लगातार बारिश के कारण कुल्लू में नदियों और नालों के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी हुई है। हैरान करने वाले दृश्यों में पहाड़ों से मलबा गिरते और अचानक आई बाढ़ में कारों और अस्थायी पुलों को बहते हुए देखा जा सकता है।

पड़ोसी हिमालयी राज्य उत्तराखंड भी मॉनसून की तबाही से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य से सामने आए सबसे डरावने दृश्यों में से एक में, चमोली ज़िले की खूबसूरत नीति घाटी में पानी के तेज बहाव से एक धातु का पुल टूटकर बहता हुआ दिखाई दिया।

कुल्लू और मंडी सबसे ज्यादा प्रभावित

भूस्खलन और जमीन खिसकने की घटनाओं के कारण लगभग 259 सड़कें बंद हो गई हैं, जिनमें अहम मंडी-कुल्लू हाईवे भी शामिल है। मंडी सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहाँ 120 सड़कें बंद हैं; इसके बाद चंबा (42), कुल्लू (40) और शिमला (30) का नंबर आता है। अधिकारियों का कहना है कि वे सड़कों को फिर से खोलने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं, लेकिन पहाड़ी इलाकों में नए सिरे से हो रहे भूस्खलन और भारी बारिश से मुश्किलें बनी हुई हैं।

मुश्किलें और बढ़ गई हैं क्योंकि पूरे हिमाचल में पीने के पानी की सप्लाई भी बाधित हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पानी की सप्लाई की 54 योजनाएं प्रभावित हुई हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित योजनाएं शिमला में (33) हैं, इसके बाद चंबा (16) और हमीरपुर (5) का नंबर आता है।

क्या विपक्ष संसद में अमित शाह को घेरेगा?

शुरूआत इसी हेडलाइन से करते हैं -- क्या विपक्ष संसद में अमित शाह को घेर पाएगा? अगर हाँ, तो पिछले 12 सालों में ऐसा पहली बार होगा। विपक्ष संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जवाब सुनना चाहता है। सवाल तीखे और अहम होंगे -- जैसे कि पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया, और पुलिसकर्मी बिना नेमप्लेट के क्यों मौजूद थे।

संदीप शर्मा, सम्पादक

सरकार ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर चर्चा का प्रस्ताव दिया है। जाहिर है, विपक्ष जवाब चाहता है। और जवाबदेही की मांग और चर्चा के प्रस्ताव के बीच भारतीय राजनीति का एक बहुत ही लचीला शब्द आता है: संवाद।

संवाद वह चीज है जो सरकारें तब पेश करती हैं जब उन्हें सवाल तो पसंद नहीं होता, लेकिन वे बातचीत से बच भी नहीं सकतीं।

छात्र पहले ही अपना पक्ष साफ कर चुके हैं। विपक्ष अब यह मामला संसद में ले आया है। सरकार का भी कहना है कि उसे इस पर चर्चा करने में कोई दिक्कत नहीं है।

तो सब एक बात पर सहमत हैं: चर्चा होगी। दिलचस्प सवाल यह है कि असल में किस बात पर चर्चा होगी। क्योंकि राजनीतिक चचाओं में कमरे के बीच रखी उस चीज को छुए बिना, जो असहज करती है, बाकी चीजों को इधर-उधर करने की अद्भुत क्षमता होती है। परीक्षा प्रणाली, विरोध-प्रदर्शन, आरोप, पुलिस की कार्रवाई, और शायद यह बड़ा सवाल भी कि जब युवा सड़कों पर उतरने का फैसला करते हैं तो सरकारों को कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए -- इन सब पर बात होगी। और फिर, जाहिर है, इन सबके इर्द-गिर्द राजनीति भी होगी। 'भागो मत' (don't run away) वाला जुमला इस पूरी स्थिति को और भी दिलचस्प बना देता है। आखिरकार, कोई यह तो नहीं कह रहा कि अमित शाह जवाब नहीं देना चाहते। यह जुमला राजनीति की एक संक्षिप्त भाषा है -- एक मांग कि सरकार मुद्दे से पीछे न हटे। लेकिन उनका जवाब क्या होगा, इसे जानने के लिए हर कोई उत्सुक है। लेकिन एक बार जब आप इसे सुनते हैं, तो भारतीय राजनीतिक संवाद के बेतुकेपन की कल्पना किए बिना नहीं रह सकते: एक पक्ष कहता है, 'हमें जवाब दो।' दूसरा कहता है, ?हम चर्चा के लिए तैयार हैं।? और हर कोई यह जानने का इंतजार करता है कि क्या ?चर्चा? का मतलब 'जवाब' है या यह बस विषय बदलने का एक ज्यादा सम्मानजनक तरीका है। विपक्ष चाहेगा कि सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई का हिसाब दे। और यह पूछना चाहेगा कि इसकी ज़िम्मेदारी किसकी है? और इस सवाल पर हंगामा होने की पूरी संभावना है। और फिर, संसद में ऐसी स्थिति बन सकती है जहाँ सरकार कहे कि विपक्ष बात नहीं सुन रहा है और विपक्ष कहे कि सरकार जवाब नहीं दे रही है। और सरकार यही चाहेगी कि यह मुद्दा खत्म हो जाए।

ट्रेन में आईईडी ब्लास्ट की साजिश...

मोहाली/यूटर्न/11 अगस्त। भारत-पाकिस्तान सीमा के पार से आईईडी, हथियार और हेरोइन की कथित तस्करी कर भारत में आतंकी हमले करने की साजिश के मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मोहाली की विशेष अदालत में दो आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपी शुभम कुमार और फरार चल रहे जसवीर चौधरी को नामजद किया गया है। दोनों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और रेलवे एक्ट सहित अन्य संबंधित कानूनों के तहत आरोप लगाए गए हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार। Contact - +91 9814295372